PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 255 ● भिलाई, सोमवार 20 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी कनेक्शन की जांच में जुटी एटीएस

नोएडा। नोएडा में हाल ही में हुए श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन के दौरान हुई तोड़फोड़ और आगजनी के मामले में अब जांच ने नया मोड़ ले लिया है। प्रारंभिक जांच में इस पूरे घटनाक्रम के पीछे संदिग्ध विदेशी कनेक्शन, विशेष रूप से पाकिस्तानी लिंक सामने आने के बाद अब मामले की जांच एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) भी कर रही है। एटीएस ने इस संवेदनशील मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच का दायरा बढ़ा दिया है और हर पहलू को बारीकी से खंगाला जा रहा है। जानकारी के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में श्रमिकों ने सड़कों पर उतरकर विरोध जताया था, जो देखते ही देखते हिंसक हो गया। इस दौरान कई स्थानों पर तोड़फोड़, वाहनों में आगजनी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आई थीं। पुलिस और प्रशासन को हालात काबू में करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। जांच एजेंसियों को शक है कि इस पूरे घटनाक्रम को सुनियोजित तरीके से भड़काया गया। खासतौर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को उकसाने और माहौल बिगाड़ने की साजिश रची गई।

दक्षिणी दिल्ली में पिता-पुत्र की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के सीआर पार्क इलाके में देर रात पिता-पुत्र पर चाकू से हमला कर मौत के घाट उतारने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दक्षिणी दिल्ली के डीसीपी अनंत मित्तल के मुताबिक, जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि यह वारदात पिछले विवादों के कारण चली आ रही पुरानी दुश्मनी की वजह से हुई है। डीसीपी ने बताया कि शुक्रवार की रात लगभग 09:30 बजे पीएस सीआर पार्क पुलिस को साकेत स्थित मैक्स अस्पताल से सूचना मिली कि सीआर पार्क इलाके के अलकनंदा स्थित तारा अपार्टमेंट के 3 लोगों को गंभीर हालत में उनके रिश्तेदारों द्वारा भर्ती कराया गया था। जांच करने पर डॉक्टरों ने राकेश सूद (62) और बेटे करण सूद (2) को मृत घोषित कर दिया, जबकि चचेरे भाई राहुल को चोटें आई थीं और उनका इलाज चल रहा था।

जाते-जाते 7 घरों का चिराग रोशन कर गया ये किसान

अहमदाबाद। जिंदगी और मौत के बीच का फासला भले ही इंसान के हाथ में न हो, लेकिन अपने जाने के बाद भी दूसरों की रगों में सांसें बनकर धड़कना इंसानियत का सबसे बड़ा चमत्कार है। गुजरात के अहमदाबाद से एक ऐसा ही भावुक कर देने वाला और प्रेरणादायक मामला सामने आया है। यहां एक 39 साल के किसान की सड़क हादसे में जान चली गई, लेकिन मौत के आगोश में समाने से पहले वह 7 लोगों की जिंदगी को एक नई सुबह दे गया। किसान के ब्रेनडेड होने के बाद उसकी पत्नी और परिवार ने एक ऐसा साहसिक और मानवीय फैसला लिया।

तमिलनाडु पटाखा फैक्ट्री में धमाका

18 की मौत, कई लोग घायल सीएम स्टालिन ने दुख जताया

नई दिल्ली/ एजेंसी

तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के पास कट्टानारपट्टी स्थित 'वनजा पटाखा फैक्ट्री' में रविवार को धमाके से भीषण हादसा हो गया। इस हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस घटना पर दुख जताया है। विरुधुनगर, 19 अप्रैल (आईएएनएस)। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के पास कट्टानारपट्टी स्थित 'वनजा पटाखा फैक्ट्री' में रविवार को धमाके से भीषण हादसा हो गया। इस हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस घटना पर दुख जताया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि विरुधुनगर जिले में पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट में कई लोगों की मृत्यु की दुखद खबर से गहरा दुख हुआ है। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि मैंने मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन और थंगम थेन्नारासु से तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव कार्यों में तेजी लाने और उनकी निगरानी करने तथा प्रभावित परिवारों को सांत्वना देने का अनुरोध किया है। इस घटना की सूचना मिलते ही मैंने जिला कलेक्टर से संपर्क किया और उन्हें सभी आवश्यक सहायता समन्वय करने का निर्देश दिया है। जानकारी के मुताबिक, इस फैक्ट्री का मालिकाना हक गोविंदनाल्लूर निवासी मुथु मानिकम के पास है और यह एक वैध आरडीओ लाइसेंस के तहत संचालित हो रही थी। फैक्ट्री परिसर में 30 से अधिक कमरे बने हुए हैं और यहां 50 से ज्यादा कर्मचारी कार्यरत हैं। रविवार को जब लगभग 30 कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर मौजूद थे, तभी अचानक एक जोरदार विस्फोट हुआ। इस धमाके से फैक्ट्री के कम से कम चार कमरों को भारी नुकसान पहुंचा और देखते ही देखते वहां अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद करीब एक घंटे से अधिक समय तक आग पर काबू पाने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझा लिया गया, लेकिन तब तक नुकसान काफी गंभीर हो चुका था। हादसे के समय फैक्ट्री में 30 से अधिक लोग मौजूद थे, जिनमें से कई मलबे के नीचे दब गए। बचाव दल ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और मलबे में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश जारी रखी। अब तक लगभग 18 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि अन्य लापता लोगों की तलाश जारी है। इस दर्दनाक घटना के बाद प्रशासन और पुलिस विभाग भी हरकत में आ गया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्रीनाथ स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और पूरे मामले की गहन जांच के आदेश दिए गए हैं। प्रारंभिक आशंका है कि विस्फोट फैक्ट्री में रखे ज्वलनशील पदार्थों के कारण हुआ हो सकता है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल पाएगा।

सीएम एमके स्टालिन ने जताया दुख

इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है और उन्हें इससे गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और कहा कि सरकार इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है। साथ ही प्रशासन को राहत और सहायता कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन और थंगम थेन्नारासु से तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव कार्यों में तेजी लाने और उनकी निगरानी करने तथा प्रभावित परिवारों को सांत्वना देने का अनुरोध किया है। इस घटना की सूचना मिलते ही मैंने जिला कलेक्टर से संपर्क किया और उन्हें सभी आवश्यक सहायता समन्वय करने का निर्देश दिया है।

राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने भी जताया दुख

राष्ट्रपति ने भी इस हादसे को बेहद दुखद बताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने भी घटना पर शोक जताते हुए कहा कि यह हादसा बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। दोनों नेताओं ने इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ खड़े रहने का भरोसा दिया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। फायर और रेस्क्यू विभाग के अनुसार, अब तक कई शव बरामद किए जा चुके हैं और बाकी लोगों को खोजने का काम जारी है। घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया है। प्रशासन ने पूरे इलाके को सील कर दिया है और जांच शुरू कर दी है कि विस्फोट कैसे हुआ।

महिला बिल पर अखिलेश ने बोला हमला

मोदी सरकार को सत्ता में रहने का नैतिक अधिकार नहीं है..!

नई दिल्ली/ एजेंसी

अखिलेश यादव ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा पर जोरदार हमला बोला। लोकसभा में यह विधेयक पारित न हो पाने के बाद उन्होंने इसे ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि सरकार को अब सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी महिला आरक्षण जैसे गंभीर मुद्दे को लागू करने के बजाय इसे सिर्फ एक राजनीतिक नारे में बदलना चाहती है। उन्होंने आगे कहा कि महिला आरक्षण विधेयक के जरिए असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश की गई। उनके मुताबिक, यह विधेयक भाजपा की बदनीयत का काला दस्तावेज था, जिसे विपक्ष ने एकजुट होकर पारित नहीं होने दिया। अखिलेश यादव ने साफ किया कि समाजवादी पार्टी महिला आरक्षण के खिलाफनहीं है, बल्कि जिस तरीके से इसे अन्य प्रावधानों जैसे परिसीमन के साथ जोड़कर लाया गया, उसी का विरोध है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सम्मान और उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए, लेकिन इसके लिए सही और पारदर्शी प्रक्रिया जरूरी है। उन्होंने जातीय जनगणना की मांग को भी दोहराते हुए कहा कि पहले इसकी प्रक्रिया पूरी होनी चाहिए, ताकि आरक्षण की वास्तविक तस्वीर सामने आ सके और सभी वर्गों को न्याय मिल सके। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जानबूझकर जातीय जनगणना से बच रही है, क्योंकि इससे आरक्षण की मांग और मजबूत होगी। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि देश में सिर्फ आरक्षण ही नहीं, बल्कि संरक्षण की भी जरूरत है, ताकि हर वर्ग के अधिकार सुरक्षित रह सकें।

भारत से इस वर्ष 1.75 लाख से अधिक लोग करेंगे हज यात्रा

नई दिल्ली। भारत से 2026 की हज यात्रा शुरू हो रही है, पहला बैच आज सऊदी अरब के मक्का के लिए रवाना हुआ। सुबह से ही पहली उड़ान के लिए यात्री हवाई अड्डे पर पहुंचने लगे थे। इस जत्थे में देश भर के विभिन्न प्रस्थान बिंदुओं से सऊदी अरब के लिए रवाना हो रहा है। इस वर्ष कुल 1,75,025 तीर्थयात्रियों के वार्षिक हज यात्रा में शामिल होने की उम्मीद है। दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां भी एयरपोर्ट पर मौजूद दिखीं। हज व्यवस्थाओं के लिए नोडल निकाय, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने भारत की हज समिति, अन्य केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और सऊदी अधिकारियों के साथ समन्वय में व्यापक तैयारियां की हैं।

ज्ञानेश कुमार की बढ़ने वाली है मुसीबत!

महिला आरक्षण बिल के बाद होगा एक और वार

नई दिल्ली। महिला आरक्षण बिल पर संसद में मिली सफलता के बाद अब विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नया मोर्चा खोलने की तैयारी में है। विपक्षी दल उन्हें हटाने के लिए संसद में एक नया नोटिस लाने पर विचार कर रहे हैं। द टाईम्स आफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इंडिया गठबंधन के प्रमुख दल इस मुद्दे पर आपसी चर्चा कर रहे हैं और नए ड्राफ्ट पर काम शुरू हो चुका है। यह पहल ऐसे समय में हो रही है जब पहले दिया गया नोटिस ओम बिरला और सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा खारिज कर दिया गया था। सूत्रों के अनुसार, नोटिस खारिज करते समय विस्तृत कारण भी बताए गए थे। विपक्ष का मानना है कि पहले नोटिस में रही कमियों—खासतौर पर 'कदाचार के ठोस उदाहरणों' की कमी—को दूर कर इस बार मजबूत आधार के साथ प्रस्ताव लाया जा सकता है।

सम्मान' के साथ चाहिए शांति

परमाणु अधिकारों पर झुकने को तैयार नहीं राष्ट्रपति पेजेशकियन..

ईरान/ एजेंसी

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर तेहरान का मंशा साफ करते हुए कहा कि उनका देश चल रहे संघर्षों को 'सम्मान के साथ' खत्म करना चाहता है। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि किसी भी विदेशी शक्ति या देश के पास ईरान को उसके वैध और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त परमाणु अधिकारों से वंचित करने का अधिकार नहीं है। पेजेशकियन के अनुसार, ईरान की विदेश नीति का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना है न कि युद्ध का विस्तार करना। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ईरान ने कभी भी किसी संघर्ष की शुरुआत नहीं की है और न ही उसकी योजना किसी दूसरे देश पर हमला करने की है। उन्होंने वैश्विक समुदाय को आश्वस्त किया कि ईरान केवल आत्मरक्षा के अपने कानूनी अधिकार का पालन कर रहा है। राष्ट्रपति ने विरोधियों पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने नागरिक बुनियादी ढांचे, स्कूलों और अस्पतालों को निशाना बनाकर अपने लक्ष्यों को पाने में विफलता हासिल की है। राष्ट्रपति पेजेशकियन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों पर सीधे सवाल उठाए। ईरानी छात्र समाचार एजेंसी के हवाले से उन्होंने पूछा कि किस आधार पर वाशिंगटन ईरान की परमाणु गतिविधियों को प्रतिबंधित करने की कोशिश कर रहा है।

दहेज देने की बात स्वीकार करने मात्र से पत्नी के परिवार पर नहीं चलेगा केस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दहेज मामलों पर अहम टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया है कि यदि पत्नी अपनी शिकायत में दहेज देने की बात लिखती है, तो केवल इसी आधार पर उसके या उसके परिवार के खिलाफ दहेज देने का मामला दर्ज नहीं किया जा सकता। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने पति की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने दहेज निषेध अधिनियम की धारा 3 के तहत पत्नी के परिवार के खिलाफ अलग से मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी। पति का तर्क था कि पत्नी ने अपनी शिकायत में दहेज देने की बात स्वीकार की है।

ट्रंप की आखिरी चेतावनी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोले....डील मानो,वरना अंधेरे में डूबेगा ईरान

वाशिंगटन/ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अब तक का सबसे आक्रामक रुख अख्तियार किया है। उन्होंने ईरान को सैन्य तबाही की चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने मौजूदा समझौते की शर्तों को स्वीकार नहीं किया, तो अमेरिका उसके तमाम पावर प्लांट और पुलों को जमींदोज कर देगा। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान ने होर्मुज में गोलीबारी कर मौजूदा सीजफायर समझौते की धज्जियां उड़ा दी हैं। उन्होंने बताया कि ईरानी हमलों का निशाना फ्रांस और ब्रिटेन के जहाज बने हैं। ट्रंप के मुताबिक, ईरान का यह कदम उसकी हताशा को दर्शाता है। इस तनाव के बीच ट्रंप ने कूटनीतिक रास्ते का आखिरी विकल्प भी खुला रखा है। अमेरिकी प्रतिनिधियों का एक दल कल शाम पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंच रहा है। वहां ईरान के साथ निर्णायक बातचीत होनी है। ट्रंप ने कहा कि यह ईरान के पास आखिरी मौका है। ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा पर तंज कसते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नाकेबंदी ने उसे पहले ही बंद कर रखा है। इससे ईरान को रोजाना 50 करोड़ डॉलर का भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के जहाज अब तेल और माल लोडिंग के लिए अमेरिका के टेक्सास, लुइसियाना और अलास्का के बंदरगाहों का रुख कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने टीएमसी पर लगाया विश्वासघात का आरोप

टीएमसी नहीं चाहती बंगाल की बेटियां एमएलए बनें-पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के विष्णुपुर एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हर जनसभा पहले से ज्यादा बड़ी होती जा रही है। मुझे बताया गया कि लोग 2-3 घंटे से बैठे हुए हैं। यह माहौल, यह प्यार, यह उत्साह, यह जोश, यह विरोध भी उस बेरहम सरकार के खिलाफ गुस्से का प्रतीक है।'पीएम मोदी ने आगे कहा, बीजेपी की पहचान महिला सशक्तिकरण और महिलाओं की सुरक्षा है। इसीलिए, देश के हर राज्य में बहनें और बेटियां बीजेपी को सबसे ज्यादा आशीर्वाद देती हैं। हम एक विकसित भारत के निर्माण में बेटियों की भूमिका का विस्तार करना चाहते हैं और ज्यादा से ज्यादा बेटियों को राजनीति में भी आने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं। आपने देखा कि संसद में क्या हुआ। टीएमसी ने एक बार फिर बंगाल की बहनों के साथ विश्वासघात किया है। पीएम मोदी ने कहा, 'बंगाल की महिलाएं 33% आरक्षण चाहती थीं। मोदी ने इसे सुनिश्चित किया। बंगाल की महिलाएं चाहती थीं कि इसे 2029 से लागू किया जाए। मोदी ने इसके लिए भी प्रयास किए। लेकिन टीएमसी नहीं चाहती थी कि बंगाल की बेटियां 88और एमपी बनें, क्योंकि बंगाल की बेटियां उनके 'महा जंगल राज' को चुनौती दे रही थीं। इसलिए, टीएमसी ने कांग्रेस के साथ मिलकर साजिश रची और महिलाओं को 33% आरक्षण देने वाले कानून को पारित होने से रोक दिया।' पीएम मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर में विजय संकल्प सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि टीएमसी के शासनकाल में युवा भर्ती, शिक्षकों की नियुक्ति और मध्याह्न भोजन कार्यक्रम में व्यापक भ्रष्टाचार हुआ है। साथ ही चक्रवातों से प्रभावित लोगों के लिए आवंटित राहत निधि का भी दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने लोगों को लूटने में पीएचडी कर ली है। उन्होंने कहा कि इस बार मैं देख रहा हूं कि बंगाल का चुनाव भाजपा के लोग नहीं, भाजपा के उम्मीदवार और कार्यकर्ता नहीं... ये चुनाव तो बंगाल की मेरी जनता लड़ रही है, बंगाल के मेरे भाई-बहन चुनाव लड़ रहे हैं, बंगाल के नौजवान चुनाव लड़ रहे हैं, बंगाल के किसान और मजदूर चुनाव लड़ रहे हैं। मैं बंगाल में जहां भी जा रहा हूं-यही भाव देख रहा हूं, इसलिए आज टीएमसी के गुंडे डर से कांप रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर कोई कह रहा है कि इस बार हर अत्याचार का हिसाब होगा। इस बार पश्चिम बंगाल में सिर्फएक ही स्वर सुनाई दे रहा है, गली-गली में सिर्फएक ही नारा है, घर घर में एक ही संकल्प है- पलटानो दरकार, चाई भाजपा सरकार। उन्होंने कहा कि मैं आपको भरोसा दिलाने आया हूं कि भाजपा सरकार सबका साथ-सबका विकास करेगी, लेकिन अत्याचारियों और लुटेरों का पूरा हिसाब करेगी। चुन-चुन कर हिसाब लिया जाएगा। आप यहां भाजपा का सीएम बनाइए, फिर पीएम और सीएम मिलकर हर किसान के खाते में किसान सम्मान निधि के 9 हजार रुपए सीधे जमा किए जाएंगे।

टीएमसी को गरीबों के दुख से कोई मतलब नही है

बंगाल दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीएमसी पर जमकर निशाना साधा उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की निर्मम सरकार को गरीबों के दुख से कोई मतलब नहीं है यह आपकी सुख-सुविधा को रोक सकते हैं। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल की 152 सीटों पर 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं, दूसरे चरण में 29 अप्रैल को बंगाल की 142 सीटों पर मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रचार के दौरान पुरुलिया जिले के रायबाघिनी मैदान में पहुंचे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अचानक भावुक हो गए। अपने भाषण के बीच उन्होंने एक छोटे बच्चे चिराग पर ध्यान दिया और तुरंत अपनी बात रोक दी। जानकारी के अनुसार चिराग अपने साथ पीएम मोदी और उनकी मां की तस्वीर लेकर आया था। चिराग पर जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नजर पड़ी वैसे ही उन्होंने अपने भाषण को रोककर एसपीजी को निर्देश दिए

मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में 6 दिवसीय पत्रकारिता इंटर्नशिप का समापन

बलौदाबाजार। शहर के शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग अंतर्गत आयोजित 6 दिवसीय पत्रकारिता इंटर्नशिप समतुल्य कोर्स का गत दिवस समापन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में अतिथि वक्ताओं ने पत्रकारिता के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की, वहीं द्वितीय सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह वितरित किए गए। समापन दिवस पर प्रथम सत्र में नेट-सेट जेआरएफ उत्तीर्ण शोध छात्र शालीन साहू ने पत्रकारिता केअंतर्गत समाचारलेखन, शीर्षक संरचना, संपादन फ्रूफ रीडिंग एवं पत्रकार के उत्तरदायित्वों पर सारगर्भित व्याख्यान देते हुए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। इसके साथ ही द्वितीय सत्र में छात्रों के लिए रिपोर्ट राइटिंग, पोस्टर प्रदर्शनी एवं विभिन्न क्षेत्रों के चर्चित व्यक्तियों के साक्षात्कार का आयोजन किया गया। साथ ही प्रतिभागियों से कार्यक्रम को लेकर फीडबैक भी लिया गया। इस इंटर्नशिप में शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय के साथ साथ शासकीय दाऊ कल्याण महाविद्यालय, शासकीय सत्यनारायण अग्रवाल महाविद्यालय कोहका (तिल्दा) तथा शासकीय दौलत राम शर्मा महाविद्यालय कसडोल से लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कोर्स के दौरान प्रथम दिवस में पंजीयन के पश्चात पत्रकार गणेश शंकर साहू ने पत्रकारिता और करियर विषय पर जानकारी दी। द्वितीय दिवस पर डॉ. मंजू अग्रवाल ने समाचार वाचन की बारीकियां सिखाईं, वहीं डिजिटल मीडिया एवं एआई पर आमना खातून, आंचल शर्मा और उमेश शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया। तृतीय दिवस में दीपक तिवारी ने साक्षात्कार तकनीक पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया तथा डॉ. हीरालाल शर्मा ने भाषा एवं प्रस्तुति कौशल पर प्रकाश डाला। चतुर्थ दिवस में डॉ. उमाकांत मिश्र, राजश्री भारद्वाज एवं डॉ. मीना बंजारे ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया। पंचम दिवस पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार देवेश साहू एवं फोटो जर्नलिस्ट अरविंद मिश्रा ने फील्ड रिपोर्टिंग एवं फोटो जर्नलिज्म के अनुभव साझा किए। इंटर्नशिप के माध्यम से छात्रों को पत्रकारिता के विविध पहलुओं की गहन जानकारी प्राप्त हुई जो उनके भविष्य के करियर में सहायक सिद्ध होगी। समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. कल्पना उपाध्याय, डॉ. राजेंद्र वर्मा, डॉ. रीता यादव, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता त्यागी, डॉ. मंजू अग्रवाल, कु. पूजा बांधे सहित महाविद्यालय परिवार एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

विधायक चातुरी नंद ने महेंद्र वैष्णव को नियुक्त किया विधायक प्रतिनिधि

भंवरपुर। सरायपाली विधानसभा क्षेत्र से एक महत्वपूर्ण राजनीतिक नियुक्ति सामने आई है। क्षेत्र की विधायक चातुरी नंद ने कांग्रेस के युवा नेता महेंद्र वैष्णव (विक्की) को ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग, बसना का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के बाद क्षेत्रीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि महेंद्र वैष्णव लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहकर विभिन्न जनसमस्याओं को उठाते रहे हैं। उनके अनुभव और सक्रियता को देखते हुए ही उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। विधायक चातुरी नंद ने उम्मीद जताई है कि महेंद्र वैष्णव अपने नए दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करेंगे तथा विभाग से जुड़े कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वहीं, नियुक्ति के बाद महेंद्र वैष्णव ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और क्षेत्र के विकास कार्यों में सक्रिय योगदान देंगे। मालूम हो कि ग्राम पंचायतों में होने वाले अधिकांश निर्माण कार्य आरईएस विभाग द्वारा किया जाता है।

कलेक्टर मिश्रा ने भरा स्व.गणना फॉर्म नागरिकों से सक्रिय भागीदारी की अपील

धमतरी। राष्ट्रीय जनगणना 2026 के अंतर्गत स्व.गणना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने स्वयं ऑनलाइन स्व.गणना फॉर्म भरकर जिलेवासियों के लिए एक प्रेरणादायक पहल प्रस्तुत की। उन्होंने यह संदेश दिया कि जनगणना केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, जो देश के समग्र विकास की नींव तय करती है। कलेक्टर मिश्रा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए स्व.गणना के इस डिजिटल विकल्प का अधिक से अधिक उपयोग करें। उन्होंने बताया कि नागरिक http://se. census. gov.in पोर्टल के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी स्वयं भर सकते हैं। यह प्रक्रिया सरल, सुरक्षित और समय की बचत करने वाली है। उन्होंने आगे कहा कि स्व.गणना से प्राप्त आंकड़े अधिक सटीक और पारदर्शी होते हैं, जिससे शासन को शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार, आधारभूत संरचना सहित विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलती है। सही आंकड़े ही योजनाओं के बेहतर निर्धारण और संसाधनों के न्यायसंगत वितरण का आधार बनते हैं। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि जनगणना के दौरान दी गई जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है और इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है। अतः नागरिक बिना किसी संकोच के अपनी सही एवं पूर्ण जानकारी दर्ज करें। जिला प्रशासन द्वारा स्व.गणना को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान भी संचालित किया जा रहा है।

विभिन्न माध्यमों जैसे ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, शैक्षणिक संस्थानों एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से आमजन को इस प्रक्रिया से जोड़ा जा रहा है। कलेक्टर की इस पहल को प्रशासनिक स्तर पर एक सकारात्मक और प्रेरणादायक कदम माना जा रहा हैए जिससे जिले में जनगणना के प्रति जागरूकता आ सके।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत 51 जोड़े दाम्पत्य सूत्र में बंधे

केबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहब ने नवयुगलो को दिये आशीर्वाद, समरसता भवन के लिए 20 लाख देने की घोषणा

बलौदाबाजार। मानवता सतनाम सेवा समिति कैलाशगढ़ एवं एकीकृत महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत सतनामी समाज के 51 जोड़े का सामूहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम गुरुवार को गुरुद्वारा धाम कैलाशगढ़ में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहब शामिल हुए।कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने की। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में कसडोल विधायक संदीप साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री गुरु खुशवंत साहब ने कहा कि आज के समय में विवाह जैसे पवित्र बंधन को अनावश्यक खर्च और दिखावे से दूर रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आदर्श विवाह को समाज के लिए एक अनुकरणीय पहल बताते हुए कहा कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत मिलती है और सामाजिक समानता को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने मंच से सभी 51 नवविवाहित जोड़ों को सुखमय दांपत्य जीवन के लिए आशीर्वाद देते हुए संकल्प भी दिलाया। समिति की मांग पर उन्होंने सामाजिक समरसता भवन के निर्माण हेतु 20 लाख रुपये की घोषणा की, जिससे क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी। अध्यक्षता कर रहे गौरीशंकर अग्रवाल ने अपने संबोधन में समिति के इस प्रयास को सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनते हैं। विधायक संदीप साहू ने भी नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद देते हुए समिति के कार्यों की प्रशंसा की और इसे सामाजिक जागरूकता का प्रतीक बताया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, जिला पंचायत सदस्य रवि बंजारे, विमल साहू, प्रगतिशील सतनामी समाज के प्रदेश महासचिव मोहन बंजारे,जनपद सदस्य कालिंन्दी सोनवानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या समाज के लोग उपस्थित थे।

जन शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु शुरू होगा सुशासन तिहार 2026

बलौदाबाजार। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से इस वर्ष भी सुशासन तिहार 2026 का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को पत्र जारी कर इस अभियान सफल आयोजन को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए हैं। सुशासन तिहार अंतर्गत 30 अप्रैल 2026 तक जिले में लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष अभियान चलाया जाएगा।इसके अंतर्गत भूमि संबंधी प्रकरण जैसे नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, मनरेगा अंतर्गत लंबित मजदूरी भुगतान, हितग्राहीमूलक योजनाओं के लंबित भुगतान, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, बिजली एवं ट्रांसफार्मर संबंधी समस्याएं तथा हैंडपंप सुधार जैसे मुद्दों का प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।साथ ही पात्र हितग्राहियों को उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। 01 मई से 10 जून तक लगेंगे जन समस्या निवारण शिविर-सुशासन तिहार के अंतर्गत 1 मई से 10 जून 2026 तक जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से 20 ग्राम पंचायतों के समूह तथा शहरी क्षेत्रों में वार्ड क्लस्टर के आधार पर शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं के संबंध में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित किया जाएगा। शिविरों में प्राप्त आवेदनों का अधिकतम एक माह के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक आवेदक को उसके आवेदन की स्थिति की जानकारी देने के निर्देश भी दिए गए हैं। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने पंचायतों एवं नगरीय निकायों में शिविर की तैयारी हेतु आवश्यक निर्देश दिये हैं। इसके साथ ही पूरे कार्यक्रम का नोडल अधिकारी, शिविर नोडल अधिकारी भी बनाए जाएंगे। विकास कार्यों का औचक निरीक्षण एवं समीक्षा बैठकें-अभियान के दौरान मुख्यमंत्री साय स्वयं विभिन्न जिलों में पहुंचकर विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन का औचक निरीक्षण करेंगे तथा हितग्राहियों से फीडबैक लेंगे।

साय सरकार की गलत नीतियों से प्रताड़ित हो रही प्रदेश की महिलाएं : तारिणी चंद्राकर

धमतरी। राज्य शासन ने महतारी वंदन योजना का लाभ लेने वाली महिलाओं के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया है जिसको लेकर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर ने कहां की भीषण गर्मी के बीच महतारी वंदन योजना के हितग्राहियो को केवाईसी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह भाजपा साय सरकार की महिला विरोधी एवं गलत नीतियों को उजागर करती हैं। ई केवाईसी कराने में सबसे बड़ी परेशानी नाम में गलतियां होना है फॉर्म भरने के दौरान महिलाओं ने आधार कार्ड जमा किए थे बावजूद नाम और सरनेम की ऑनलाइन एंट्री करने के दौरान गलतियां की गई जिसका खामियाजा अब योजना के लाभ ले रहे महिलाओं को भुगतना पड़ रहा है। इन्हे सुधरवाने के लिए कोई आधार सेंटर भेज रहे हैं तो कोई महिला एवं बाल विकास विभाग जाने की सलाह दे रहे है। महिलाएं चॉइस सेंटरों के चक्कर लगाने मजबूर हैं। लेकिन सर्वर डाउन रहने के कारण उनका काम समय पर नहीं हो पा रहा है। गांवों की स्थिति और भी चिंताजनक है। गांवों की महिलाओं को अभी तक यह स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है कि उनका केवाईसी कहां और कैसे होगाघ् जानकारी के अभाव में वे इधर.उधर भटक रही हैं। जिससे समय और श्रम दोनों की बर्बादी हो रही है। भाजपा ने प्रदेश के प्रत्येक महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ दिलाने का वादा किया था। लेकिन आज सत्ता में काबिज होने के बाद इस योजना का लाभ प्रदेश के प्रत्येक महिलाओं को मिलना तो दूर पात्र हितग्राहियो के नाम काटने का प्रयास इस भीषण गर्मी में केवाईसी के माध्यम से किया जा रहा है। साय सरकार के कुशासन में महिलाओं को गुणवत्ताहीन एवं छोटी साड़ी का वितरण कर उनके आत्मसम्मान, स्वाभिमान को ठेस पहुंचाई जाती हैण् तो कभी 500 रूपये में गैस सिलेंडर देने का झूठ्या वादा कर धुवा युक्त चूल्हा फूंकने मे मजबूर किया जाता है। साय सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश की महिला लगातार प्रताड़ित हो रहीं है। जिसका परिणाम आने वाले समय मे निश्चित देखने को मिलेगी।

बैडमिंटन सिखाता है अनुशासन, संघर्ष तथा जीवन में स्फूर्ति : राजेश शर्मा

धमतरी। खेल पखवाड़ा के अंतर्गत बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ धर्म प्रेमी समाज से भी पंडित राजेश शर्मा द्वारा विधि व्रत पूजा अर्चना करते हुए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर की गई। गौरतलब है रायपुर, दुर्ग, भिलाई, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, महासमुंद, कोंडागांव, कांकेर, नारायणपुर के खिलाड़ियों ने सुबह से ही इनडोर स्टेडियम एवं कम्युनिटी हॉल 17 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के बीच पहले राउंड में प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए पंडित राजेश शर्मा ने कहा कि बैडमिंटन अनुशासन स्फूर्ति तथा संघर्ष का खेल है जो हमें खेल के मैदान से सीख लेकर अपने जीवन को संवारने के लिए दिशा निर्देश देती है। वही इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित नगर निगम के पूर्व सभापति राजेंद्र शर्मा ने कहा कि खेल का पखवाड़ा का भले ही विराम हो जाएगा। लेकिन इस अवधि ने धमतरी के खेल जगत को सुरक्षित करते हुए संवर्धित करने में जो भूमिका निभाई है। इसके लिए धमतरी के खिलाड़ी हमेशा इस पूरे पखवाड़े के आयोजन के सहयोग के लिए कृतज्ञ रहेंगे। खेल पखवाड़ा के संयोजक योगेश रायचुरा ने कहा है कि खेल पखवाड़ा ने धमतरी को राज्य स्तर पर एक अलग पहचान देकर खेल के गौरवशाली इतिहास को फिर से लौटाया है। शुभारंभ अवसर पर नगर निगम के पार्षदगण पिंटू यादव, कुलेश सोनी, सरिता यादव, गोमती रजक, इस आयोजन के संयोजक रितेश नाहर, भावेश रजक, विरेन्द्र सोनी, दार्शिक नाहर, गर्वित नाहर, आदित्य शर्मा, शुभ सुखवानी, अंश दोसांझ, कर्नल खंडेलवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पर्यटन स्थलों को मिलेगा नया मंच, रील-फोटोग्राफी प्रतियोगिता 17 से 24 अप्रैल तक

धमतरी। धमतरी जिले की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध पर्यटन स्थलों को देश-दुनिया तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा एक आकर्षक रील एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। धमतरी जिले के पर्यटन क्षेत्र/स्थल विषय पर आधारित यह प्रतियोगिता 17 से 24 अप्रैल तक आयोजित होगी, जिसमें जिले के युवा, फोटोग्राफी प्रेमी और आम नागरिक उत्साहपूर्वक भाग ले सकेंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देना और लोगों को धमतरी की अनदेखी एवं मनमोहक लोकेशनों से परिचित कराना है। प्रतिभागियों को जिले के प्रसिद्ध एवं रमणीय स्थलों जैसे गंगरेल बांध, रुद्री, सिहावा क्षेत्र, जंगलों और झरनों की आकर्षक फोटो या रील तैयार कर भेजनी होगी। चयनित फोटो और रील को "Yuva Fest" के आधिकारिक इंस्टाग्राम प्लेटफॉर्म पर साझा किया जाएगा, जिससे प्रतिभागियों को व्यापक पहचान मिलने का अवसर भी प्राप्त होगा। प्रतियोगिता में विजेता का चयन एक अनोखे तरीके से किया जाएगा। सोशल मीडिया पर जिस प्रतिभागी की फोटो या रील को सबसे अधिक लाइक और कमेंट प्राप्त होंगे, उसे विजेता घोषित किया जाएगा। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा, जिससे युवाओं में रचनात्मकता और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा मिलेगा। प्रतिभागियों को अपनी प्रविष्टियां व्हाट्सएप नंबर- 6268 520 889 पर भेजनी होंगी। प्रशासन ने अधिक से अधिक लोगों से इसमें भाग लेने की अपील की हैए ताकि धमतरी की प्राकृतिक धरोहर और पर्यटन संभावनाओं को नई पहचान मिल सके। जिला प्रशासन का मानना है कि इस प्रकार की रचनात्मक प्रतियोगिताएं न केवल युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच देती हैं, बल्कि जिले की सकारात्मक छवि निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह प्रतियोगिता धमतरी की खूबसूरती को डिजिटल माध्यम से वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में सराहनीय पहल

धमतरी। जिले के नगरीय एवं ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं की सुलभता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अवनीति एजुकेशन ट्रेनिंग फाउंडेशन द्वारा खेकाल पंचायत अंतर्गत ग्राम चंदनपुर में स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे ग्रामीणों को समग्र स्वास्थ्य सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकीं। ग्राम चंदनपुर, जहां कमार जनजाति सहित अन्य आदिवासी समुदायों की बहुलता है, को विशेष प्राथमिकता देते हुए इस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पीएम जनमन वाहन के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई गईं, जिससे ग्रामीणों को त्वरित जांच एवं उपचार की सुविधा मिली। शिविर में जिला स्तर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ यू एल कौशिक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ प्रिया कंवर सहित स्वास्थ्य विभाग के बीएमओ, बीपीएम तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रतिनिधियों की भी सक्रिय भागीदारी रही। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान पीएम जनमन टीम द्वारा कुल 23 हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा 10 पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। इसके साथ ही संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 20 व्यक्तियों का पंजीयन कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार की दिशा में कदम उठाए गए। शिविर के दौरान आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा ग्रामीणों को स्वच्छता, पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण तथा संचारी एवं गैर.संचारी रोगों की रोकथाम संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत योजनाए पोषण अभियान एवं महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों की जानकारी भी विस्तार से साझा की गई। अवनीति एजुकेशन ट्रेनिंग फाउंडेशन द्वारा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए किशोर बालिकाओं एवं महिलाओं को माहवारी स्वच्छता किट वितरित की गई। इसके अतिरिक्त बच्चों को इलेक्ट्रॉनिक स्लेट, सेनेटाइजर एवं साबुन का वितरण कर स्वच्छता एवं शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया। यह शिविर न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुआ, बल्कि ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने और शासन की योजनाओं से जोड़ने की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में उभरा। जिला प्रशासन ने इस प्रकार के प्रयासों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया है, ताकि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा सके।

डी. ए. व्ही. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल सकरी में कक्षा 10वीं का शत-प्रतिशत परिणाम

बलौदाबाजार। डी. ए. व्ही. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल सकरी में कक्षा 10वीं की वार्षिक परीक्षा का परिणाम हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अत्यंत शानदार रहा। विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। विद्यालय के कई विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया। प्रमुख रूप से विद्यार्थियों में भौमिक यदु पिता दिनेश कुमार यदु 97.8%, प्रतिष्ठा जायसवाल पिता रोहित कुमार जायसवाल 95%, रूद्रांश प्रशांना वर्मा पिता ज्ञानेषु प्रशांना वर्मा 90.4%, खुशी वर्मा पिता खिलावन राम वर्मा 87.6 प्रतिशत, डॉली यादव पिता पुरषोत्तम यादव 86 प्रतिशत, जयश मांजरे पिता राकेश कुमार मांजरे 85.2 प्रतिशत, दीपिका देवांगन पिता यशवंत देवांगन 83 प्रतिशत, तन्मय यादव पिता बिसाहू राम यादव 81.4%, सौम्य ध्रुव पिता तिलक राम ध्रुव 79% तथा रेणुका ध्रुव पिता कमल नारायण ध्रुव 74.4% अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस उत्कृष्ट सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य दीपशिखा सक्सेना एवं समस्त शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य दीपशिखा सक्सेना ने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। विद्यालय परिवार में इस उपलब्धि को लेकर हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है।

संक्षिप्त समाचार

देशी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी में अवैध हथियार रखने और उसकी खरीदी-बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। पुलिस उपायुक्त (नार्थ जोन) मयंक गुर्जर के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत गुढ़ियारी थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।जानकारी के अनुसार, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के गोंदवारा अंडर ब्रिज के नीचे एक व्यक्ति देशी कट्टा लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन और थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बताए गए हुलिए के आधार पर संदिग्ध को घेराबंदी कर पकड़ लिया।पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रोहित उर्ईके उर्फछोटा भाऊ (26 वर्ष) निवासी प्रेम नगर, गुढ़ियारी रायपुर बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक देशी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए। जब आरोपी से हथियार रखने के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

रायपुर। राजधानी रायपुर में 13 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में कोर्ट ने आरोपी सोनू चेलक को 20 वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही पीड़िता के पुनर्वास के लिए पांच लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश भी दिया है।मिली जानकारी के अनुसार दिसंबर 2024 को नाबालिग अपनी दादी के गांव गई हुई थी, जहां उसकी पहचान गांव के ही रहने वाले आरोपी सोनू चेलक से हुई थी। 14 दिसंबर की सुबह करीब 10 बजे नाबालिग घर से दुकान जाने के लिए निकली थी। इसी दौरान आरोपी बाइक लेकर वहां पहुंचा और उसे अपने साथ चलने के लिए कहा। नाबालिग के इनकार करने पर आरोपी ने उसके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। भय के चलते नाबालिग उसके साथ बाइक पर बैठ गई। आरोपी उसे रायपुर के डूमरतराई इलाके में स्थित अपने एक दोस्त के कमरे में ले गया, जहां दुष्कर्म किया गया। उधर, नाबालिग के घर नहीं लौटने पर परिजन चिंतित हो गए। पिता ने खरोरा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने खोजबीन शुरू की। अगले ही दिन आरोपी नाबालिग को गांव में छोड़कर फरार हो गया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने ठोस साक्ष्य पेश किए, जिसके आधार पर अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय पाक्सो, अच्छेलाल काछी की कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार दिया और बीस साल की सजा सुनाई।

करंट की चपेट में आया मजदूर, निर्माणाधीन मकान में काम के दौरान दर्दनाक मौत

रायपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के काशी नगर बुधवारी इलाके में सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां निर्माणाधीन मकान में काम कर रहे एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। घटना शाम करीब 4 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, दादर बस्ती निवासी टीकाराम यादव (28) दो मंजिला मकान में सरिया बिछाने का काम कर रहा था। इसी दौरान ऊपर से गुजर रही 11 केवी बिजली लाइन के संपर्क में सरिया आ गया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सियान गुड़ी का किया शुभारंभ

सीएम ने बुजुर्गों के साथ कैरम खेलकर वरिष्ठजनों का बढ़ाया हौंसला

- वरिष्ठ नागरिकों के लिए डे-केयर सुविधा से सुसज्जित केंद्र : योग, स्वास्थ्य, मनोरंजन और कौशल विकास की मिलेगी एक ही छत के नीचे सुविधा

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विकसित अत्याधुनिक डे-केयर केंद्र 'सियान गुड़ी' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने बुजुर्गों के साथ कैरम खेलकर उनका उत्साह बढ़ाया और आत्मीय संवाद स्थापित किया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर वरिष्ठजन अत्यंत प्रसन्न नजर आए तथा उन्होंने राज्य सरकार द्वारा विकसित 'सियान गुड़ी' के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर बुजुर्गों को फ्रूट बास्केट वितरित किए तथा धार्मिक पुस्तक, शॉल एवं श्रीफल भेंटकर उनका सम्मान किया। उन्होंने समाज में वरिष्ठजनों के सम्मान और उनकी देखभाल के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और पारिवारिक मूल्यों के लिए जाना जाता है, लेकिन वर्तमान में समाज तेजी से बदल रहा है। एकल परिवार की बढ़ती प्रवृत्ति, रोजगार के लिए युवाओं का पलायन और व्यस्त जीवनशैली के कारण अनेक बुजुर्ग दिन के समय अकेलेपन और उपेक्षा का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अकेलापन केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इन्हीं चुनौतियों के समाधान के लिए 'डे-केयर सेंटर ङ्क सियान गुड़ी' की परिकल्पना की गई है। यह भवन वरिष्ठ नागरिकों के लिए सम्मान, आत्मीयता और सक्रियता का एक सशक्त केंद्र बनेगा, जहां वे सुरक्षित वातावरण में दिन व्यतीत कर नई ऊर्जा और उत्साह प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने केंद्र का निरीक्षण करते हुए यहां उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की और इसे वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक आदर्श पहल बताया। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि सियान गुड़ी' के माध्यम से राज्य सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को अधिक सम्मानजनक, सक्रिय और खुशहाल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करते हुए पारिवारिक मूल्यों को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि जशपुर में रणजीता स्टेडियम के पीछे भागलपुर रोड स्थित यह 'सियान गुड़ी' केंद्र वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक समग्र डे-केयर यूनिट के रूप में विकसित किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य उन्हें एक ही स्थान पर बहुआयामी सेवाएं उपलब्ध कराना है। यहां योग, प्राणायाम, मनोरंजन, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियां, डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता तथा कौशल विकास प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, बेसिक दवाओं की उपलब्धता, टेली कंसल्टेशन, स्वास्थ्य जागरूकता सत्र, फिजियोथैरेपी कॉर्नर तथा टेलीमेडिसिन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इस केंद्र में प्रतिदिन 6 से 8 घंटे तक वरिष्ठ नागरिकों के लिए योग, व्यायाम, चाय-नाश्ता, भोजन, मनोरंजन, जीवन कौशल एवं पुन: कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वास्थ्य परीक्षण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, समूह चर्चा तथा कानूनी एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। आपातकालीन स्थिति में नेशनल हेल्पलाइन नंबर 14567 तथा राज्य स्तरीय सियान हेल्पलाइन नंबर 155326 के माध्यम से त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। सुविधाओं की दृष्टि से 'सियान गुड़ी' को अत्याधुनिक रूप दिया गया है, जहां बाधारहित वातावरण, व्हील चेयर सुविधा, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, जेंडर पृथक एवं दिव्यांग अनुकूल शौचालय, सामूहिक गतिविधियों के लिए विशाल हॉल, पुस्तकालय एवं शांत रीडिंग कॉर्नर उपलब्ध हैं। इसके साथ ही टीवी, रेडियो, सीसीटीवी, बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रणाली, प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण डेस्क, मासिक चिकित्सकीय परामर्श, फिजियोथैरेपी कॉर्नर तथा टेलीमेडिसिन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इस केंद्र में प्रतिदिन 6 से 8 घंटे तक वरिष्ठ नागरिकों के लिए योग, व्यायाम, चाय-नाश्ता, भोजन, मनोरंजन, जीवन कौशल एवं पुन: कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वास्थ्य परीक्षण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, समूह चर्चा तथा कानूनी एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

प्रेम संबंध के विवाद में युवती की हत्या...

रायपुर। जिले के फस्टरपुर-सेतगंगा थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां एक युवक ने अपनी प्रेमिका की गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को घटना के दो दिन बाद गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार मृतका सेतगंगा क्षेत्र की रहने वाली थी, जो 12-13 अप्रैल की दरम्यानी रात घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। सुबह परिजनों ने उसे तलाश किया, लेकिन वह नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। 13 अप्रैल को सुबह करीब 12 बजे गाड़घाट के पगडंडी मार्ग पर एक महिला का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। मौके पर पहुंचकर परिजनों ने शव की पहचान की। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और मुखबिर की सूचना के आधार पर लालाराम यादव (38 वर्ष) को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार कर ली। आरोपी ने बताया कि उसका मृतका के साथ प्रेम संबंध था और वह उस पर शादी का दबाव बना रही थी। इसी दबाव से परेशान होकर उसने उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई। योजना के तहत उसने 12 अप्रैल को युवती को फोन कर बुलाया और बाइक से गाड़घाट ले गया। वहां पहुंचकर आरोपी ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और बाद में साक्ष्य छिपाने के लिए उसका मोबाइल फोन ग्राम छटन के तालाब में फेंक दिया।

सीजी में भीषण गर्मी येलो अलर्ट जारी

स्वास्थ्य मंत्री ने दांतों में जरूरी दवाओं का स्टॉक रखने के दिए गए निर्देश.....

- स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने भी तैयारी तेज कर दी है

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में बढ़ती गर्मी ने हालात गंभीर कर दिए हैं। मौसम विभाग ने तापमान में लगातार इजाफे को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। आने वाले दिनों में लू चलने और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं का खतरा और बढ़ सकता है। प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान 43 डिग्री के आसपास पहुंच चुका है। राजनांदगांव सबसे ज्यादा गर्म रहा, जहां पारा 43.5 डिग्री दर्ज किया गया। रायपुर में

भी तापमान 43 डिग्री के करीब है, जबकि बिलासपुर, माना, जगदलपुर और अंबिकापुर जैसे शहर भी भीषण गर्मी की चपेट में हैं। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित होने लगा है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा नजर आ रहा है और लोग जरूरी काम के लिए ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने भी तैयारी तेज कर दी है। अस्पतालों में दवाइयों का स्टॉक बढ़ाने, ठंडे पानी की व्यवस्था करने और कूलर-पंखों को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि लू और मौसमी बीमारियों से निपटा जा सके। विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। साथ ही सिर ढककर रखने, हल्के कपड़े पहनने और पर्याप्त मात्रा में पानी, नींबू पानी, छाछ और नारियल पानी पीने की हिदायत दी गई है मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल राहत के आसार नहीं हैं और आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे हालात और चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

आत्मनिर्भर बने संजय साहू,नवाचार से बदल दी खेती की तस्वीर

- ग्राफ्टेड बैंगन की खेती से सालाना 4 लाख से अधिक आय, बने प्रगतिशील किसान की मिसाल

रायपुर/ संवाददाता

राज्य शासन की किसान हितैषी योजनाएं अब ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के जीवन में ठोस बदलाव ला रही हैं। जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम बिलारी के किसान श्री संजय कुमार साहू इसकी एक प्रेरक मिसाल बनकर उभरे हैं, जिन्होंने पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर नवाचार अपनाते हुए आत्मनिर्भरता की नई पहचान बनाई है। पहले संजय साहू अन्य किसानों की तरह केवल धान की पारंपरिक खेती पर निर्भर थे, जिससे आय सीमित थी। बेहतर आय और नई संभावनाओं की तलाश में उन्होंने एक एकड़ भूमि पर ग्राफ्टेड बैंगन की खेती शुरू की। प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने लगातार सीखने और मेहनत करने का संकल्प बनाए रखा। पिछले चार वर्षों से वे सफलतापूर्वक इस खेती को कर रहे हैं और हर वर्ष बेहतर उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। संजय साहू रासायनिक कीटनाशकों के स्थान पर जैविक उपायों का उपयोग करते हैं, जिससे उनकी फसल सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण रहती है। इस कार्य में उनकी पत्नी भी सक्रिय सहयोग देती हैं, जिससे यह खेती उनके परिवार के लिए एक सशक्त आजीविका का माध्यम बन गई है। ग्राफ्टेड बैंगन की खेती से उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां पहले धान की खेती से सीमित आमदनी होती थी, वहीं अब वे सालाना 4 लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर रहे हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और बच्चों की शिक्षा तथा भविष्य की योजनाएं अधिक सुरक्षित हो सकी हैं। उन्होंने खेती में आधुनिक तकनीकों को भी अपनाया है। ड्रिप इरिगेशन और प्लास्टिक मल्चिंग के उपयोग से पानी की बचत के साथ उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार हुआ है। उद्यानिकी विभाग से उन्हें ग्राफ्टेड पौधे, मल्चिंग सामग्री, स्प्रिंकलर पाइप तथा पैक हाउस के लिए अनुदान प्राप्त हुआ, जिससे लागत में कमी आई। इसके अलावा, सौर सुजला योजना के तहत मिले सोलर पंप ने सिंचाई की समस्या को लगभग समाप्त कर दिया है। आज संजय साहू की फसल स्थानीय बाजार में बेहतर कीमत पर बिक रही है और वे एक प्रगतिशील किसान के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुके हैं।

धर्मांतरण कानून पर बढ़ा विवाद: हाईकोर्ट पहुंचा मामला

मंत्री गजेंद्र यादव बोले-गलत काम करने वालों की घबराहट

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में लागू हुए धर्म स्वतंत्रता कानून 2026 को लेकर सियासत और कानूनी बहस तेज हो गई है। मसीही समाज के प्रतिनिधि क्रिस्टोफर पॉल ने इस कानून के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर इसके प्रावधानों को चुनौती दी है। याचिका में कहा गया है कि कानून के कुछ प्रावधान नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। वहीं, इस पूरे मामले पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस कानून के खिलाफविरोध कर रहे हैं या अदालत का दरवाजा खटखटा रहे हैं, वे खुद अपने कृत्यों पर संदेह जता रहे हैं। उनके मुताबिक, अगर सब कुछ सही होता तो इस तरह की प्रतिक्रिया की जरूरत नहीं पड़ती। सरकार का कहना है कि यह कानून जबरन, लालच या धोखे से किए जाने वाले धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए बनाया गया है। नए प्रावधानों के तहत ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर कड़ी सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। दूसरी ओर, ईसाई समुदाय के लोगों का तर्क है कि यह कानून धार्मिक स्वतंत्रता और निजी अधिकारों में हस्तक्षेप करता है। उनका मानना है कि संविधान के तहत हर नागरिक को अपनी आस्था चुनने की स्वतंत्रता है, जिसे इस कानून के जरिए सीमित किया जा रहा है। गौरतलब है कि राज्यपाल की मंजूरी के बाद यह कानून लागू हो चुका है और इसके खिलाफप्रदेश के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन भी जारी हैं। अब इस पूरे विवाद पर अंतिम फैसला न्यायालय में होने वाली सुनवाई के बाद ही साफहो पाएगा।

छग महिला फुटबॉल टीम ने रचा इतिहास

रायपुर। रायपुर: प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में छत्तीसगढ़ महिला फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम कर इतिहास रच दिया। इस बड़ी उपलब्धि में बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी की दो प्रतिभाशाली खिलाड़ियों बिंदु तेलम और मीना कश्यप का अहम योगदान रहा।बीजापुर जिले के तुमनार गांव की निवासी बिंदु तेलम एक साधारण किसान परिवार से आती हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से खेल जगत में पहचान बनाई है। बिंदु पहले ही जूनियर नेशनल यूथ गेम्स और इंडियन वुमेंस लीग में अपने खेल का लोहा मनवा चुकी हैं और वर्तमान में कॉलेज की पढ़ाई के साथ अपने खेल को और निखार रही हैं।वहीं, मीना कश्यप ने भी अपने दमदार खेल से टीम को मजबूती प्रदान की। उन्होंने जूनियर नेशनल, सीनियर नेशनल और इंडियन वुमेंस लीग में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। मीना एक किसान परिवार से ताल्लुक रखती हैं और कॉलेज के अंतिम वर्ष की छात्रा होने के साथ-साथ नगर सैनिक के रूप में भी सेवाएं दे रही हैं।बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी की कोच ज्योति यादव लाइसेंस कोच) के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने यह मुकाम हासिल किया। उनके निरंतर प्रशिक्षण और प्रेरणा ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इस ऐतिहासिक जीत से न केवल बीजापुर बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में खुशी की लहर है।

पशुधन मंत्री श्री नेताम ने की विभागीय काम-काज की समीक्षा

जनजातीय क्षेत्रों के सभी महिला हितग्राहियों को मिलेगा दुधारू गाय

- आवारा श्वान के नियंत्रण के लिए प्रदेश के सभी 33 जिलों में स्थापित होगा ऐनीमल बर्थ कन्ट्रोल सेन्टर : मंत्री श्री रामविचार नेताम
- घुमंतू गौ-वंशीय पशुओं के संरक्षण एवं सर्वधन के लिए तेजी के साथ गौधाम निर्माण के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

पशुधन विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि पशु जन नियंत्रण (श्वान) के तहत आवारा श्वानों के नियंत्रण के लिए प्रदेश के सभी 33 जिलों में नगरीय निकायों के सहयोग से एनीमल बर्थ कन्ट्रोल सेन्टर स्थापित किया जायेगा। इन सेन्टरों में श्वान जन्म को नियंत्रित करने नसबंदी अभियान चलाया जायेगा, वही श्वान के काटने से होने वाले रैबीज बीमारी को रोकने श्वानों का टीकाकरण भी किया जायेगा। मंत्री श्री नेताम ने उक्त बातें मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान कही। पशुधन मंत्री श्री नेताम नें बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार ने यह निर्णय लिया है कि

जनजातीय क्षेत्रों के सभी महिला हितग्राहियों को दुधारू गाय दिया जायेगा इससे आय में वृद्धि होगी और महिलाएं आर्थिक रूप सशक्त होंगे। उन्होंने बताया कि मीठा और पौष्टिक आहार के साथ-साथ नियमित रूप से आय का साधन उपलब्ध कराने तथा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पहले हमारी सरकार दुधारू गाय वितरण की योजना बस्तर क्षेत्र के जनजातीय महिलाओं के लिए प्रारंभ किया था। अब इसे विस्तार करते हुए राज्य में जनजातीय क्षेत्रों के सभी वर्गों के महिला हितग्राहियों को दुधारू गाय दिया जायेगा। इसके लिए राज्य सरकार एनडीडीबी से समझौता किया हुआ है। उन्होंने इस योजना के तहत ज्यादा से ज्यादा हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। मंत्री श्री नेताम ने बैठक में कहा कि प्रदेश के जलवायु के अनुकुल भारतीय नस्ल के अलग-अलग किस्मों के गायों का वितरण किया जाना सुनिश्चित हो ताकि गौ-वंशी पशुओं के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन में भी वृद्धि हो सके। हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली पशु-पक्षियों को जरूरतमंद हितग्राहियों को चयन कर लाभान्वित भी किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पशुओं में होने वाले विभिन्न संक्रमण रोगों के नियंत्रण के लिए टीकाकरण अभियान चलाया जाए जिससे आकस्मिक होने वाले पशुधन हानि को रोका जा सके। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि गौधाम योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अन्य प्रमुख मार्गों में विचरण करने वाले घुमंतु गौ-वंशीय पशुओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पशुओं को गौधामों में व्यवस्थापित किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि 36 गौधाम स्वीकृत कर 32 गौधाम पंजीकृत हो चुके है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि पशु संवर्धन कार्यक्रम कृत्रिम गर्भाधान एवं वत्सोत्पादन का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। कृत्रिम गर्भाधान का क्षेत्र विस्तार हेतु परिवहन आदि का भी सुचारू व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए बजट में पर्याप्त प्रावधान किये गये हैं। वहीं राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत सेक्स शॉर्टेज सीमेंन से कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्ष 2026-27 में इसके लिए हितग्राही अंशदान में छूट दिए जाने का प्रावधान किया गया है। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि पशु दुर्घटना को रोकने तेजी के साथ गौधाम स्थापित कर वहां गौ-वंशों को व्यवस्थापित तथा कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा देने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती सहला निगार, संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं श्री चंद्रकांत वर्मा, कामधेनु विश्वविद्यालय के कुलपति सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थें।

संपादकीय

युद्धविराम या नई जंग की शुरुआत?

सवाल है कि अगर युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी इजराइली हमले रोकना शामिल था, तो इस पर अमल के बजाय इसे ताक पर रख कर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने के पीछे कौन-सी मंशा काम कर रही है।पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे संकट के बीच यह पहला मौका था, जब ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच चौदह दिनों के युद्धविराम पर सहमति बनी थी। मगर इजराइल ने बुधवार को ही जिस तरह लेबनान पर हमला किया, उससे साफ है कि युद्धविराम में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है। गौरतलब है कि लेबनान पर इजराइली हमले में दो सौ से ज्यादा आम लोग मारे गए।विचित्र है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका और इजराइल साझा मोर्चे के तहत हमले कर रहे थे, लेकिन जब दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी, तो उसे ठोस आकार देने के बजाय इजराइल ने समझौते को तोड़ने की पृष्ठभूमि बनानी शुरू कर दी। जबकि इस बीच इजराइल और अमेरिका की ओर से जिस तरह की बेलगाम बयानबाजियां जारी रहीं, उससे पहले ही हालात और बिगड़ने की आशंका बनी हुई थी। विडंबना यह भी है कि लेबनान पर इजराइल के हमले के बाद अब ईरान ने फिर से होर्मुज जलमार्ग को बंद करने की घोषणा की है।निश्चित रूप से ईरान के इस रुख को उसकी प्रतिक्रिया कहा जा सकता है, लेकिन सवाल है कि इस समूचे परिदृश्य में किसी भी पक्ष की जिद और अकड़ का नतीजा क्या निकल रहा है! इजराइल और अमेरिका ने जिस दिन ईरान पर साझा हमला किया था, तभी से यह आशंका बनी हुई थी कि इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। इसके बाद ईरान ने स्वाभाविक ही रणनीति के तहत होर्मुज जलमार्ग को बाधित कर दिया और उसके बाद दुनिया के ज्यादातर देशों में प्राकृतिक तेल और गैस की आपूर्ति रुक गई। जिन देशों के पास इसके विकल्प थे, वहां के हालात अपेक्षया नियंत्रण में रहे, लेकिन भारत सहित बहुत सारे ऐसे देश हैं, जहां पेट्रोल-डीजल से लेकर रसोई गैस का संकट पैदा हो गया और आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।ऐसे में युद्धविराम की घोषणा के बाद यह उम्मीद जगी थी कि अब होर्मुज जलमार्ग के खुलने से जहाजों की आवाजाही का रास्ता खुलेगा और स्थिति सुधरेगी। मगर लेबनान पर इजराइल के ताजा हमले में जिस तरह बड़े पैमाने पर आम लोगों की मौत की खबर आई है और उसके बाद ईरान ने जैसी प्रतिक्रिया दी है, उससे एक बार फिर शांति की उम्मीदों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।सवाल है कि अगर युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी इजराइली हमले रोकना शामिल था, तो इस पर अमल के बजाय इसे ताक पर रख कर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने के पीछे कौन-सी मंशा काम कर रही है। यही नहीं, इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो इजराइल फिर से ईरान के खिलाफ लड़ाई शुरू करेगा। खुद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस भड़काऊ लहजे में बात कर रहे हैं, उसे कैसे देखा जाएगा?हैरानी की बात है कि ट्रंप युद्धविराम और उसकी शर्तों पर सहमति जताने के बाद लेबनान पर हमले के मसले को समझौते से अलग बताते हैं। क्या इसे शांति के लिए हुई पहलकदमी को कमजोर करने की तरह नहीं देखा जाएगा? दूसरी ओर, ईरान ने कहा कि युद्धविराम और इजराइल के जरिए जंग, दोनों साथ नहीं चल सकते। ऐसे में यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि युद्धविराम कितने दिनों तक बना रहेगा।यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पश्चिम एशिया के इस युद्ध का खमियाजा दुनिया के ज्यादातर देश उठा रहे हैं और अगर स्थायी युद्धविराम का रास्ता नहीं निकाला गया, तो इसके विपरीत असर को संभालना मुश्किल हो जाएगा।

'रील सच, रियल भ्रम' - घटता धैर्य और सिमटता वक्त, नए दौर में बदलती जिंदगी

डिजिटल मीडिया तक आसान पहुंच के कारण, किशोर और युवा इस प्रकार की लत का शिकार हो रहे हैं। मौजूदा दौर में अगर लोगों की व्यस्तता पर गौर किया जाए, तो ऐसा लगता है कि ज्यादातर आबादी काम के बोझ से दब चुकी है और हर वक्त किसी बहुत जरूरी काम को पूरा करने में लगी हुई है। सच यह है कि व्यस्त दिखती यह आबादी अपने मोबाइल में और उसके भीतर सोशल मीडिया पर फैले रील के जंजाल में खोई लगती है। उठते-बैठते, चलते-फिरते, यहां तक कि जरूरी विमर्श और बैठकों में भी आदमी बेमतलब ही स्मार्टफोन की स्क्रीन में गुम दिखता है, रील में डूबता-उतराता रहता है। हालत यह है कि रील को लेकर ज्यादा संवेदनशील लोग दाह-संस्कार जैसे अवसरों पर भी रील पर अंगुलियां चलाते रहते हैं। मानो घटनाओं का रील में होना जरूरी हो गया है। व्यक्ति की छोटी से छोटी निजी घटनाएं भी सोशल मीडिया पर डाल दी जाती हैं। घर के दरवाजे से बाहर निकलते हुए फिसल जाने की निजी घटनाओं के भी वीडियो बनाए जाते हैं। दरअसल, रील बनाना प्रसिद्धि बटोर लेने का साधन बन गया है। बल्कि इसके लिए घटनाएं बनाई जा रही हैं। फिल्मों की कतरनें डाली जा रही हैं।

(राकेश सोहम्)

सोशल मीडिया के जरिए दुनिया पर छा जाने का चलन नया नहीं है। रुपहले पर्दे के कलाकार रील की बदौलत दुनिया को आकर्षित करते रहे हैं। एक जमाना था, जब सिनेमा ही मनोरंजन के साधन हुआ करते थे। फिल्म कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा उसकी रील की लंबाई से लगाया जाता था। दर्शक सिनेमाघरों में टिकट खरीदते हुए पूछते थे कि यह फिल्म कितनी रील की है! जवाब में अगर सोलह रील सुनाई देता, तो लोग खुश हो जाते। अपने जमाने की सुपर हिट फिल्म 'शोले' तेईस रील की थी और उसकी कुल अवधि दो सौ चार मिनट थी। दर्शक तीन घंटे चौबीस मिनट सिनेमाघरों में सांस साधे बैठा रहता था।

हर इंसान के पास समय की कमी का रोना रो रहा है

अब हर व्यक्ति समय की भारी कमी बताता दिखता है। इसलिए एक से डेढ़ घंटे की फिल्में चलन में आ गई हैं। समय के साथ धैर्य भी घटा है। वह धैर्य मात्र तीस सेकंड की रील में सिमटता प्रतीत हो रहा है। एक रील समाप्त हुई नहीं कि लोग अगली रील पर बढ़ जाते हैं। अब हालत यह है कि उकसाने वाली रील का एक नया शगल शुरू हो गया है। इनके लिए निजता को भुनाया जा रहा है। एक ओर ऐसी गतिविधियों में लिप्त होने वालों की भरमार है और दूसरी ओर इनमें खोए लोगों की भी भीड़ है, जो निजी बेचैनी में चैन तलाशने का यत्न संजोती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आने से रील की लोकप्रियता में भारी इजाफा हुआ है। स्थिर छाया चित्रों का रील में समावेशीकरण चलन में आ गया है। लेखक और रचनाकार अपनी रचनाओं की कतरनें और छाया चित्र ऐसे छोटे वीडियो में डालते हैं, ताकि रील दर रील सरकाने की दौड़ में स्थिर छाया चित्रों को एक झलक का स्थान मिल सके। स्थिर छाया चित्रों के पीछे आवाजें डालकर आकर्षक और सुनने लायक बनाया जाता है।

कई बार ऐसे संक्षिप्त वीडियो के पार्श्व की आवाजें भौंडी और चिढ़ पैदा करने वाली होती हैं। मगर ऐसा लगता है कि लोग इसे लेकर एक प्रकार की दुविधा में रहते हैं या फिर सहज हो रहे हैं। मसलन, जिस व्यक्ति को पड़ोस की रसोई से बर्तनों की खटपट की आवाज परेशान कर रही हो सकती है, वह सो नहीं पाता होगा, वही मोबाइल में चल रही रील की पृष्ठभूमि में अजीब-सी हंसी और ठहाकों तथा अन्य आवाजों को लेकर सहज रह सकता है। जबकि यह ध्यान रखने की जरूरत है कि भले ही ऐसी रीलें लोगों के लिए मनोरंजन के साधन हैं, पर आसपास के लोग इनसे परेशान रहते हैं।

इस प्रवृत्ति के बढ़ते जाने की लत अब विचित्र दिखने लगी है। इस लत के जुनून में डूबा कोई व्यक्ति किसी दुर्घटना के दौरान अगर बच जाता है, तो वह वीडियो बनाने में मशगूल दिख सकता है। बात यहां तक जा पहुंची है कि घायल अवस्था में भी कुछ लोग ऐसे संक्षिप्त वीडियो को सोशल मीडिया पर डालते हैं और 'लाइक' और 'कमेंट' की बदौलत अपने साथ हुई दुर्घटना पर सहानुभूति जुटाने की कोशिश करते हैं। ऐसे कुछ लोग कराहते दिख सकते हैं और अपने कष्ट और मुसीबत को लेकर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं।

इसके अलावा, आए दिन रील बनाने और देखने वाले लोग दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। वहीं एआइ के विस्तार के साथ लोग अब दुनिया की तबाही के रील भी बनाने लगे हैं। एआइ की मदद से आकाश से गिरती विशाल चट्टानें, चट्टानी ओलों की वर्षा से टूटते घर, तबाह होती सड़कें और तूफानों के भय से भागते लोग रील में दिखाए जा रहे हैं। तबाही के ऐसे वीडियो के बीच अजब-गजब-सी रीलों का दौर भी चल पड़ा है। आसमान से नोटों या जानवरों की वर्षा होती दिखाई देती है। ऐसे वीडियो से असल और नकल की पहचान गुम हो रही है।

कुल मिलाकर इस लत का जुनून लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। जमीनी स्तर पर इससे जुड़े कई अनुभव भयावह होते जा रहे हैं। लोग 'रियल' यानी वास्तविकता पर नहीं, 'रील' यानी आभासी पर भरोसा करने लगे हैं। 'रील सच है और रियल भ्रम' का भाव पनप रहा है! अब दुर्घटनाओं का दर्द महसूस नहीं होता। चौंक जाने का सुख गायब हो रहा है। रील का आभासी चित्रण, हकीकत के भाव को भंग कर रहा है, जिससे लोगों की तासीर बिगड़ रही है।

प्रोडक्शन से प्रॉस्पेरिटी- बदलती कृषि, बदलता उत्तर प्रदेश

(प्रणय विक्रम सिंह)

उत्तर प्रदेश की धरती पर उगता हर दाना केवल अन्न नहीं, बल्कि उस भारत की धड़कन है जिसे वर्षों तक नीतिगत नासमझी और व्यवस्थागत विकृतियों ने जकड़ रखा था। लखनऊ में आयोजित छठी उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस-2026 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट शब्दों में उस जड़ता पर प्रहार किया, जिसने कृषि को केवल 'उत्पादन' तक सीमित कर दिया था। उन्होंने साफ कहा कि अब कृषि को प्रोडक्शन से प्रोडक्टिविटी, प्रोडक्टिविटी से प्रॉफिटेबिलिटी और प्रॉफिटेबिलिटी से प्रॉस्पेरिटी तक ले जाना होगा।

यह कोई भाषण नहीं, बल्कि उस सोच के विरुद्ध उद्घोष है जिसने किसान को केवल 'उत्पादक' बनाकर छोड़ दिया था, साझेदार नहीं।

उत्तर प्रदेश का यथार्थ स्वयं इस परिवर्तन का साक्ष्य है। देश की 16-17 प्रतिशत आबादी और मात्र 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि, फिर भी 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन। यह केवल परिश्रम का परिणाम नहीं, बल्कि उस राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रमाण है जिसने पहली बार किसान को केंद्र में रखा। कृषि विकास दर का 8 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक पहुंचना इस बात का संकेत है कि जब नीति नीयत से जुड़ती है, तो परिणाम इतिहास बदलते हैं और जब नीति केवल घोषणा बनती है, तो किसान कर्जदार बनता है।

भारत की प्राचीन आर्थिक शक्ति का आधार कृषि था, जब किसान उत्पादक भी था और उद्यमी भी। लेकिन दशकों की अव्यवस्था ने उसे कच्चा माल देने वाला बना दिया।यही वह दौर था जब खेतों में अन्न उगता रहा, पर किसान के घर में अभाव पनपता रहा।

आज योगी सरकार उस विसंगति को चुनौती दे रही है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन और सैटेलाइट जैसी आधुनिक तकनीकें कृषि को अनुमान से विज्ञान की ओर ले जा रही हैं। अब खेत किस्मत से नहीं, आंकड़ों से चलते हैं और किसान परिस्थितियों से नहीं, तकनीक से निर्णय लेता है।

यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, मानसिकता का परिवर्तन है, जहां किसान अब केवल परिश्रमकर्ता नहीं, बल्कि प्रयोगकर्ता और निर्णायक बन चुका है।

डिजिटल क्रांति ने उस बिचौलिया तंत्र पर सीधा प्रहार किया है, जिसने वर्षों तक किसान की कमाई पर कब्जा बनाए रखा। 'वन नेशन-वन मंडी', मंडी शुल्क में कमी और डिजिटल सॉयल हेल्थ कार्ड, ये केवल योजनाएं नहीं, बल्कि उस शोषणकारी संरचना को तोड़ने के औजार हैं, जिसने किसान को बाजार से दूर रखा। 'लैब टू लैंड' से 'लैंड इज लैब' तक का सफर यह घोषित करता है कि अब खेत ही प्रयोगशाला है और किसान ही वैज्ञानिक।

गन्ना क्षेत्र इसका सबसे जीवंत उदाहरण है। जो भुगतान वर्षों तक अटका रहता था, वह आज 6-7 दिनों में हो रहा है। 122 में से 107 मिलों का समयबद्ध भुगतान केवल प्रशासनिक दक्षता नहीं, बल्कि जवाबदेही का प्रमाण है। 55 प्रतिशत गन्ना उत्पादन, एथेनॉल में अग्रणी स्थान और 73.15 लाख करोड़ से अधिक का डीबीटी भुगतान, ये आंकड़े नहीं, उस विश्वास की वापसी हैं जो वर्षों तक टूटा रहा। वर्ष 2017 से पहले व्याप्त अव्यवस्था, अविश्वास और बिचौलियों का बोलबाला, आज पारदर्शिता, तकनीक और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण में बदल चुकी है। तब किसान लाइन में खड़ा था, आज प्रणाली उसके दरवाजे पर खड़ी है। तब फसल बिकती थी, पर लाभ नहीं मिलता था, आज उत्पादन के साथ सम्मान भी मिल रहा है। वैश्विक संकटों ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि कृषि आत्मनिर्भरता विकल्प नहीं, अनिवार्यता है। आपूर्ति श्रृंखलाओं के टूटने, उर्वरकों की कीमतों के उतार-चढ़ाव और ऊर्जा संकट ने यह सिखा दिया है कि जो देश अपनी मिट्टी पर निर्भर नहीं, वह भविष्य पर भरोसा नहीं कर सकता। ऐसे समय में उत्तर प्रदेश का मॉडल केवल राज्य का नहीं, राष्ट्र का मार्गदर्शक बनकर उभर रहा है। अब सवाल यह नहीं है कि कितना उत्पादन हुआ? सवाल यह है कि किसान कितना समृद्ध हुआ? यही वह मूल प्रश्न है, जिसका उत्तर योगी की कृषि दृष्टि देती है।

यह यात्रा केवल खेतों की हरियाली तक सीमित नहीं, बल्कि किसान के चेहरे की मुस्कान तक पहुंचती है। यह उस भारत की वापसी है, जहां अन्नदाता केवल पेट नहीं भरता, राष्ट्र की समृद्धि गढ़ता है। प्रोडक्शन से प्रॉस्पेरिटी तक का यह पथ ही वह सेतु है, जिस पर चलकर उत्तर प्रदेश न केवल कृषि में अग्रणी बनेगा, बल्कि 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करने की दिशा भी तय करेगा।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

तीन देशों के अहंकार में फंसी दुनिया, युद्ध नहीं, तेल-गैस की चिंता ने बढ़ाई वैश्विक बेचैनी

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में वैश्विक राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां 'शक्ति ही सत्य है' की अवधारणा पुनर्जीवित हो गई है। दुनिया का सबसे धनी देश और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का सबसे बड़ा वित्तपोषक होने के नाते अमेरिका ने स्वयं को एक ऐसे 'वैश्विक दारोगा' के रूप में स्थापित कर लिया है, जिसे रोकने का साहस वर्तमान में किसी भी अंतरराष्ट्रीय इकाई के पास नहीं दिखता। संयुक्त राष्ट्र से लेकर विश्व बैंक तक, अधिकांश संस्थाएं अमेरिकी संसाधनों पर टिकी हैं। ऋण के जाल में फंसे देश हों या व्यापारिक समझौतों की बैसाखियों पर टिकी अर्थव्यवस्थाएं, कोई भी अमेरिका की नीतियों के विरुद्ध स्वर मुखर करने की स्थिति में नहीं है।

(विकेश कुमार बडोला)

इसी वर्चस्व की अगली कड़ी ईरान और अमेरिका-इजराइल के सैन्य संघर्ष के रूप में एक महीने से भी अधिक समय तक दिखती रही। मगर अब अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम पर समझौता हुआ है। इसके बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि स्थायी शांति की राहें निकलेंगी।

यह सहमति बीते कई दिनों से जारी भीषण संघर्ष के बाद एक अहम मोड़ मानी जा रही है। इसकी मुख्य शर्तों के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर होने वाले सभी सैन्य हमलों को दो सप्ताह के लिए निलंबित करने की घोषणा की है। इसके साथ ही इजराइल ने भी ईरान के विरुद्ध अपने सैन्य अभियानों को रोकने पर सहमति जताई है। दूसरी ओर, ईरान होर्मुज जलमार्ग को खोलने के लिए सहमत हो गया है। जहाजों की आवाजाही ईरानी सैन्य प्रबंधन के तहत होगी। इस समझौते में पाकिस्तान ने मुख्य मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। ईरान ने जो दस सूत्री प्रस्ताव दिया है, यह समझौता उसी पर आधारित है, जिसे अमेरिका ने चर्चा के लिए स्वीकार किया है। इसमें ईरान पर प्रतिबंधों को हटाने और उसे मुआवजा देने जैसी मांगें शामिल हैं। हालांकि इजराइल ने स्पष्ट किया है कि उसकी कार्रवाई लेबनान के विरुद्ध जारी रह सकती है। यह समझौता ट्रंप द्वारा दी गई उस समय सीमा के खत्म होने से कुछ ही घंटे पहले हुआ, जिसमें उन्होंने ईरान की सभ्यता को पूरी तरह नष्ट करने की धमकी दी थी।

भूमध्य सागर के समीप खाड़ी क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा का हृदय स्थल है। यहां सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे देश न केवल ऊर्जा के अग्रणी उत्पादक हैं, बल्कि अमेरिका के रणनीतिक साझेदार भी हैं। अमेरिका ने अपनी कूटनीति से इन देशों को अपने हितों के अनुरूप साध लिया है, लेकिन ईरान इस समीकरण में हमेशा उसके लिए एक कांटा बना रहा। उसके परमाणु अनुसंधान में लिप्त होने और परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना करने की आशंका अमेरिका के लिए सिरदर्द बनी हुई थी। समय के साथ अमेरिका का नेतृत्व बदला, तो डोनाल्ड ट्रंप के कड़े निर्णयों और दूसरों से अलग चलने की उनकी नीति ने इस सुलगती आग में घी का काम किया। फरवरी के अंतिम दिनों में इजराइल को ढाल बना कर अमेरिका ने जो मिसाइल हमला शुरू किया, उसने ईरान को सीधे युद्ध के मैदान में खींच लिया।

पिछले एक महीने से ज्यादा समय से पश्चिमी एशिया भीषण युद्ध का साक्षी है। अमेरिका ने ईरान के तेल और गैस संयंत्रों को निशाना बना कर उसकी आर्थिक रीढ़ तोड़ने की कोशिश की। इससे पूरी दुनिया को होने वाली तेल-गैस की आपूर्ति का ढांचा बुरी तरह ढह गया। ईरान ने भी बदला लेने की नीति अपनाई। प्रतिक्रिया स्वरूप उसने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर से होने वाली नियमित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को भी बाधित कर दिया। अब कुछ समय के लिए युद्धविराम से तेल संकट दूर होने की उम्मीद की जा सकती है।

पिछले कई दिनों तक चले युद्ध में सबसे विचलित करने वाली खबर ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई और उनके परिवार से जुड़ी रही। अमेरिकी हमलों में खामेनेई, उनकी पत्नी और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के मारे जाने या गायब होने की खबरों ने ईरान में प्रतिशोध की ज्वाला को और भड़का दिया था। नए ईरानी नेतृत्व ने अपनी पूरी सैन्य शक्ति झोंकते हुए खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और ऊर्जा केंद्रों को भारी क्षति पहुंचाई। इजराइल और अमेरिका को भी इस युद्ध में ईरान से कम नुकसान नहीं हुआ।

अमेरिका की कार्रवाई के पीछे चार मुख्य उद्देश्य स्पष्ट थे। पहला, परमाणु शक्ति पर अंकुश। ईरान को परमाणु संपन्न राष्ट्र बनने से रोकना। दूसरा, आतंकवाद का समूल नाश। अमेरिका की दृष्टि में ईरान समर्थित आतंकी गुट वैश्विक शांति के लिए खतरा हैं, जिन्हें वह जड़ से उखाड़ना चाहता है। तीसरा, सत्ता परिवर्तन। ईरानी जनता के एक वर्ग में खामेनेई शासन के प्रति असंतोष को भुना कर अमेरिका वहां एक 'अनुकूल' शासन व्यवस्था स्थापित करना चाहता है। चौथा, ऊर्जा संसाधनों पर आधिपत्य। अमेरिका का सबसे बड़ा उद्देश्य ईरान के विशाल तेल और गैस भंडारों पर अपना नियंत्रण स्थापित करना है, ताकि वैश्विक ऊर्जा बाजार की चाबी पूरी तरह उसके पास हो।

इस युद्ध का सबसे दुखद पहलू यह रहा कि तीन देशों के इस अहंकार में पूरी दुनिया की आर्थिक व्यवस्था और ऊर्जा शृंखला पर गंभीर असर पड़ा। राहत की बात केवल इतनी रही कि अभी तक कोई चौथा देश प्रत्यक्ष रूप से युद्ध के मैदान में नहीं उतरा। न तो नाटो अमेरिका की ओर से खुल कर आया और न ही रूस या चीन ने ईरान के पक्ष में सीधे अपनी सेनाएं उतारीं। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी पर निर्भर हैं, वे तटस्थ रहे। भले ही रूस, चीन और उत्तर कोरिया प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में नहीं उतरे, किंतु उनकी भूमिका निष्क्रिय भी नहीं थी। वे अमेरिका और इजराइल को युद्ध रोकने की चेतावनी देते रहे।

दुनिया भर के देशों की मंशा को बारीकी से परखा जाए, तो एक कटु सत्य सामने आता है। अधिकांश देशों को इस बात से वास्तव में बहुत ज्यादा सरोकार नहीं दिखता कि अमेरिका को कितना नुकसान हुआ या ईरान में कितने लोग मारे गए। उनकी वास्तविक चिंता तेल और गैस की सुचारु आपूर्ति को लेकर है। दुनिया को डर है कि यदि ईरान ने प्रतिशोध में पूरे खाड़ी क्षेत्र के तेल कुओं को तबाह कर दिया, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था का पहिया थम जाएगा। ईरान और खाड़ी क्षेत्र के ये संयंत्र केवल उन देशों की संपत्ति नहीं हैं, बल्कि वे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के सबसे बड़े केंद्र हैं। यदि यह स्रोत सूख गया, तो विकसित से लेकर विकासशील राष्ट्रों तक, सभी का राष्ट्रीय शासन और अर्थव्यवस्था ताश के पत्तों की तरह ढह जाएगी।

युद्ध कभी भी स्थायी समाधान नहीं होता। ऊर्जा संयंत्रों के नष्ट होने से आने वाली कई पीढ़ियों की दुनिया अंधकार में डूब जाएगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत जैसे तटस्थ देश और संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं आगे आएं और एक ऐसा व्यापक समाधान विकसित करें, जहां संप्रभुता का सम्मान हो और ऊर्जा संसाधनों का उपयोग युद्ध के हथियार के रूप में न किया जाए।

भेज्जी में 28 वर्ष बाद कोर्राज माता का तीन दिवसीय मेला, 130 गांवों से पहुंचे श्रद्धालु

कोंटा। ब्लॉक से लगभग 20 किलोमीटर दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत भेज्जी में कोर्राज माता का तीन दिवसीय मेला 28 वर्ष बाद आयोजित किया गया। इस मेले में करीब 130 गांवों से 40 पेन देवताओं के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालु अपनी-अपनी मूल देवी पेन को लेकर मेला स्थल पहुंचते हैं और पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं। परंपरा के अनुसार पूजा के बाद बलि भी दी जाती है, जिसे आदिवासी समाज की धार्मिक आस्था से जोड़ा जाता है। बताया जाता है कि मेला प्रारंभ करने से पूर्व सिंगाराम से कोर्राज माता की डोली भेज्जी लाई जाती है। डोली के आगमन के साथ ही विधिवत मेले की शुरुआत होती है। गांव-गांव से लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं और सामूहिक रूप से उत्सव मनाते हैं। दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर मेले का आनंद ले रहे हैं।

बस्तर रियासत से जुड़ी रही परंपरा

भेज्जी मेले का नाता बस्तर के शाही दरबार से रहा है। रियासतकाल में भले ही स्थानीय रियासतें प्रशासनिक व्यवस्था संभालती थीं, लेकिन मेले का अंतिम अधिकार और आशीर्वाद बस्तर के महाराज प्रवीर चन्द्र भंजदेव जैसे शासकों से जुड़ा माना जाता था। मेले में पुरानी शान-ओ-शौकत नजर आती है और सदियों पुरानी बलि प्रथा की परंपरा निभाई जाती है, जो इस आयोजन को विशेष बनाती है।

दहशत के 28 साल बाद लौटी रौनक

स्थानीय लोगों के अनुसार वर्ष 1998 में नक्सलियों के बढ़ते प्रभाव और धमकियों के चलते पहली बार इस मेले को बंद कर दिया गया था। इसके बाद 2005 में सलवा जुडुम के दौरान विस्थापन और हिंसा ने इस परंपरा को पूरी तरह से हाशिए पर धकेल दिया। अब शासन और सुरक्षा बलों की मुस्तैदी तथा ग्रामीणों के सामूहिक निर्णय के बाद 28 वर्ष बाद मेले का पुनः आयोजन किया गया है, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है।

डीएवी में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों के द्वारा अग्निशमन यंत्रों का प्रदर्शन

किरन्दुल। डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल परिसर में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों द्वारा अग्निशमन सेवा सप्ताह के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सभी को आग से सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सही कदम उठाने की जानकारी देना था। कार्यक्रम के दौरान सी आईएसएफ के प्रशिक्षित जवानों ने आग लगने के प्रमुख कारणों और उससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी दी। उन्होंने गैस सिलेंडर, विद्युत उपकरणों तथा अन्य ज्वलनशील पदार्थों के सुरक्षित उपयोग के बारे में भी बताया साथ ही आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय सतर्कता से कार्य करने और तुरंत अग्निशमन सेवाओं को सूचना देने की सलाह दी ।जवानों ने अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग का व्यवहारिक प्रदर्शन भी किया, जिससे उपस्थित लोगों को इसे इस्तेमाल करने का सही तरीका समझ में आया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य एस के श्रीवास्तव, समस्त शिक्षक गण कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, अंत में प्राचार्य ने इस उपयोगी कार्यक्रम की सराहना की और जवानों को धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

शासकीय हाई स्कूल हात्मा बना जल संरक्षण का मॉडल, शिक्षक संदीप सेन की अनूठी पहल

कोंडागांव। बस्तर संभाग में स्थित कोंडागांव में शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति बच्चों को जागरूक करना एक सराहनीय कदम है शासकीय हाई स्कूल हात्मा के व्याख्याता संदीप कुमार सेन ने जल संरक्षण को लेकर ऐसी अनूठी पहल की है, जो न केवल स्कूल में पानी की बर्बादी को रोक रही है, बल्कि छात्रों को भविष्य के लिए जिम्मेदार नागरिक भी बना रही है। उनके द्वारा लागू किए गए प्रयोग न केवल प्रभावी हैं, बल्कि अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गए हैं। इस पहल का मूल मंत्र जल है तो कल है, और इसकी बचत ही इसका हल है। जल संरक्षण के अनूठे प्रयोग शिक्षक सेन ने विद्यालय में जल की हर बूंद को बचाने के लिए तीन प्रमुख प्रयोग लागू किए हैं: 'वॉटर बेल' विद्यालय में दिन में दो से तीन बार एक विशेष घंटी बजाई जाती है, जो छात्रों के लिए पानी पीने का संकेत है। इससे छात्र पूरे दिन हाइड्रेटेड रहते हैं और उनकी एकाग्रता बनी रहती है। साथ ही, इससे छात्रों को यह भी पता चलता है कि उन्हें अपनी बोतल का पानी कब और कैसे समाप्त करना है, जिससे अनावश्यक पानी की बर्बादी रुकती है। बाकी पानी का सदुपयोग प्रायः बच्चे स्कूल की छुट्टी के समय अपना बचा हुआ पानी फेंक देते हैं। इस बर्बादी को रोकने के लिए विद्यालय के निकास द्वार पर एक बड़ा जल पात्र (बाल्टी) रखा गया है। छात्र घर जाते समय अपनी बोतल का बचा हुआ जल इस पात्र में डाल देते हैं। एकत्रित जल का उपयोग विद्यालय के माली द्वारा पौधों की सिंचाई के लिए किया जाता है, जिससे स्कूल परिसर की हरियाली भी बनी रहती है। जल प्रहरी छात्रों में जिम्मेदारी का भाव पैदा करने के लिए 'जल प्रहरी' टीम का गठन किया गया है। इन नन्हे रक्षकों का काम लंच ब्रेक और छुट्टी के समय विद्यालय परिसर में निगरानी करना है। वे यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई नल खुला न रह जाए और कहीं किसी पाइप से पानी का रिसाव तो नहीं हो रहा है। शिक्षक सेन के इस नेतृत्व की ग्रामीण और अभिभावक मुक्त कंठ से प्रशंसा कर रहे हैं। ग्रामीणों का मानना है कि ऐसे प्रयोग न केवल संसाधनों को बचा रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बना रहे हैं। विद्यालय की इस पहल पर टिप्पणी करते हुए शिक्षाविदों ने कहा कि यदि हर विद्यालय इस प्रकार के छोटे-छोटे प्रयोगों को अपना ले, तो देश में जल संकट की समस्या काफी हद तक हल हो सकती है।

नारायणपुर में 9.5 किमी बाईपास के लिए कलेक्टर ने गांव पहुंचकर किया संवाद

विकास के साथ मूलभूत समस्याओं के समाधान का दिलाया भरोसा

नारायणपुर। विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नारायणपुर जिले को जल्द ही ट्रैफिक जाम और सड़क दुर्घटनाओं की समस्या से बड़ी राहत मिलने वाली है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में 9.5 किलोमीटर लंबे बहुप्रतीक्षित परियोजना विशेष रूप से भारी वाहनों के लिए समर्पित होगी, जिससे शहर के भीतर यातायात का दबाव कम होगा और आम नागरिकों को सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा।

ग्रामीण अंचलों को जोड़ेगा विकास का नया मार्ग

प्रस्तावित बाईपास रोड तोलसी, कनेरा, मरदेल, करलखा, दुग्गाबेंगाल, गराजी और गढ़बेंगाल जैसे महत्वपूर्ण गांवों से होकर गुजरेगा। इससे जहां एक ओर शहर से बाहर भारी वाहनों का बाईपास रोड होगा, वहीं दूसरी ओर इन ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और स्थानीय विकास को नई गति प्राप्त होगी।

कलेक्टर ने ग्रामीणों से किया संवाद

परियोजना को सफलतापूर्वक लागू करने के उद्देश्य से कलेक्टर नम्रता जैन स्वयं करलखा गांव पहुंचीं और ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने बाईपास रोड के निर्माण से होने वाले लाभों को सरल भाषा में समझाया तथा नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की। इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल, भवन एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं भी रखीं, जिन पर कलेक्टर ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया।

भारी वाहनों का होगा व्यवस्थित डायवर्जन

वर्तमान में भारी वाहन शहर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरते हैं, जिससे आए दिन जाम और दुर्घटनाओं की स्थिति उत्पन्न होती है। बाईपास रोड के निर्माण के पश्चात सभी ट्रकों एवं व्यावसायिक वाहनों को शहर के बाहर इस नए मार्ग से संचालित किया जाएगा, जिससे शहर के भीतर यातायात अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम हो सकेगा। यह बाईपास रोड केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास का माध्यम बनेगी। इससे जुड़े गांवों में व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा, आवागमन आसान होगा और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। प्रशासन का लक्ष्य है कि इस परियोजना को शीघ्र धरातल पर उतारकर नारायणपुर को एक सुव्यवस्थित और सुरक्षित शहर के रूप में विकसित किया जाए।

सीपीआई की लाल झंडा यात्रा: ग्रामीणों को अधिकारों के प्रति किया जागरूक

कोण्डागांव। कोण्डागांव जिले में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) द्वारा लाल झंडा यात्रा निकालकर ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरण अभियान चलाया गया। सीपीआई जिला परिषद कोण्डागांव के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता लाल झंडा लेकर लाल सलाम के नारों के साथ कोण्डागांव और माकड़ी ब्लॉक के विभिन्न गांवों में पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ता मोटरसाइकिल और चारपहिया वाहनों में सवार होकर चिपावंड, मालगांव, अमरावती, बीजापुर, बड़े घोड़सोडा, किरमारी, बिंजोली, नेवरा, छतोड़ी, सोहंगा, बेड़ागांव, हिरलाभाट, आंगाकोना, अनतपुर, गुमड़ी और एरला सहित कई गांवों में जनसंपर्क किया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी नेताओं ने ग्रामीणों से अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित होने और संघर्ष के प्रतीक लाल झंडे को थामने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्थानीय समस्याओं के समाधान और जनहित के मुद्दों को लेकर सीपीआई कार्यकर्ता लगातार लोगों के बीच सक्रिय रहेंगे। ज्ञात हो कि 26 दिसंबर 2025 को सीपीआई के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पार्टी द्वारा जिलेभर में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यह प्रदर्शन यात्रा आयोजित की गई। कार्यक्रम में राज्य परिषद सचिव मंडल सदस्य कामरेड तिलक पांडे के निर्देशन में जिला सचिव शैलेश शुक्ला, सहायक सचिव दिनेश, जयप्रकाश सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। यात्रा का समापन ग्राम एरला में किया गया।

नारी शक्ति का हुंकार: हक छीना तो अब कुर्सी भी छीनेंगी महिलाएं, अधिवक्ता दीपिका शोरी का सांसदों पर तीखा प्रहार

सुकमा। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक के गिरने पर छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य और प्रखर अधिवक्ता दीपिका शोरी ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने उन सांसदों की धज्जियां उड़ा दी हैं जिन्होंने इस ऐतिहासिक संशोधन के खिलाफ मतदान किया। दीपिका शोरी ने इसे लोकतंत्र का 'काला दिन' करार देते हुए कहा कि यह सिर्फ एक बिल का गिरना नहीं, बल्कि भारत की आधी आबादी के वजूद का अपमान है।

खैरात नहीं, हक मांग रही हैं महिलाएं

21 घंटे की मैराथन बहस के बाद जब वोटिंग हुई, तो विधेयक को 298 वोट मिले, जो जरूरी 352 (दो-तिहाई बहुमत) के आंकड़े से कम रह गए। इस हार पर बिफरते हुए दीपिका शोरी ने सीधे शब्दों में सांसदों की 'नारी-विरोधी' मानसिकता पर प्रहार किया उन्होंने कहा कि खैरात नहीं, हक मांग रही हैं महिलाएं। उन्होंने दहाड़ते हुए कहा- जो अधिकार महिलाओं का संवैधानिक हक है, उसे रोकने की जुर्रत कैसे हुई? विरोध में हाथ उठाने वाले सांसदों ने अपनी संकीर्ण मानसिकता का प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया कि वे महिलाओं को बराबरी पर देखने से डरते हैं। यह हक कोई भीख नहीं थी, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। विश्वासघात

का लगाया आरोप: वोट लेते वक्त याद नहीं आई थी मर्यादा दीपिका शोरी ने उन सांसदों को आईना दिखाते हुए कड़े सवाल दागे जिन्होंने विरोध में मतदान किया। उन्होंने पूछा कि क्या चुनाव जीतते वक्त इन्हें महिलाओं के वोट की जरूरत नहीं पड़ी थी? उन्होंने उन सांसदों पर कई सवाल दागे उन्होंने कहा कि क्या वे महिलाओं के समर्थन के बिना सदन तक पहुँच पाए थे जब उस विश्वास का कर्ज चुकाने का वक्त आया, तो उन्होंने महिलाओं की पीठ में छुरा घोंप दिया। साथ ही चेतावनी भरे लहजे में कहा कि- जिस नारी ने आपको सदन तक पहुँचाया है, वही नारी अब आपको वहां से बेदखल करने का माद्दा भी रखती है।

परिसीमन का बहाना... टालने की साजिश

विपक्ष द्वारा 'परिसीमन' की शर्त जोड़कर बिल को लटकाने की कोशिशों पर भी दीपिका शोरी ने कड़ा एतराज जताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ और सिर्फ महिलाओं के अधिकारों को टालने का एक कुत्सित बहाना है। देश की महिलाएं अब जागरूक हैं, वे आपकी इन तकनीकी भूलभुलैया और चालबाजियों को बखूबी समझ रही हैं। उन्होंने जनाक्रोश की चेतावनी देते हुए कहा कि अब चुप नहीं बैठेगी भारत की नारी? अपने बयान के अंत में दीपिका शोरी ने सीधे तौर पर चुनावी अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब विरोध करने वाले सांसदों की खैर नहीं है। हर लोकसभा क्षेत्र की महिला अब हिसाब मांगेगी। भारत की नारियां अब चुप नहीं बैठेंगी। जिन्होंने हमारे अधिकारों का गला घोंटा है, वे कल जनता के आक्रोश की आग में जलने के लिए तैयार रहें। लोकतांत्रिक तरीके से इस अपमान का जवाब दिया जाएगा। अधिवक्ता दीपिका शोरी का यह तेवर न केवल महिलाओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि सत्ता के गलियारों में बैठे उन लोगों के लिए एक गंभीर चेतावनी भी है जो 'आधी आबादी' को हल्के में लेने की भूल कर रहे हैं। दीपिका की इस बेबाकी ने करोड़ों महिलाओं की दबी हुई आवाज को मंच दे दिया है।

कृषि मंत्री नेताम ने दुर्गूकोंदल में किया सर्व आदिवासी विश्राम गृह का लोकार्पण

माओवाद की समाप्ति के बाद अब बस्तर का सर्वांगीण विकास होगा

कांकेर। प्रदेश के आदिम जाति विकास, कृषि, मछली पालन एवं पशुधन विकास विभाग के मंत्री रामविचार नेताम ने कांकेर जिले के दुर्गूकोंदल ब्लॉक मुख्यालय में सर्व आदिवासी समाज कल्याण विश्राम गृह का लोकार्पण किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि पिछले 04 दशक तक हिंसा, आतंक का पर्याय बन चुका माओवाद समाप्त हो गया है। लंबे अरसे तक दंश झेलने वाले बस्तर में अब तेजी से सर्वांगीण विकास होगा। दुर्गूकोंदल के बाजार चौक में आयोजित मंचीय कार्यक्रम में कैबिनेट नेताम ने कहा कि प्रदेश में माओवाद की समूल समाप्ति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प को पूरा करने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बेहतर रणनीति के साथ इस कार्य को अंजाम दिया। उन्होंने कहा कि साय सरकार के नेतृत्व में युवा, बुजुर्ग, बच्चे और महिलाओं सभी वर्ग के लिए बेहतर कार्य हो रहे हैं। बस्तर के विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा मास्टर प्लान तैयार किया गया है। नेताम ने सर्व आदिवासी समाज विश्राम गृह की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इससे समाज के लोगों को लाभ मिलेगा और सामाजिक गतिविधियों को अच्छे ढंग से संपादित कर सकेंगे। इस अवसर पर भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी ने भी सामाजिकजनों को बधाई देते हुए विश्राम भवन के निर्माण को दुर्गूकोंदल क्षेत्र के लिए काफी उपयुक्त बताया। उल्लेखनीय है कि बाजार

चौक दुर्गूकोंदल में ग्रामीण यात्रिकी सेवा संभाग कांकेर द्वारा पीएसी मद से 43 लाख 08 हजार रुपए की लागत से उक्त भवन तैयार किया गया है, जिसका लोकार्पण आदिम जाति विकास एवं कृषि मंत्री नेताम ने किया। इसके पहले, उन्होंने भानुप्रतापपुर के विश्राम गृह में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर क्षेत्र के समस्याओं की जानकारी ली तथा यथोचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर एसडीएम भानुप्रतापपुर जी डी वाहिले सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

मेहनत की मिसाल: कूकानार की आराध्या चौहान ने 92.8% के साथ रचा सफलता का स्वर्णिम अध्याय

सुकमा। छोटे से गाँव कूकानार की बड़ी उपलब्धि बनकर उभरी आराध्या चौहान ने कक्षा 10वीं की सीबीएसई परीक्षा में 92.8 प्रतिशत अंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही आराध्या ने अपनी लगन, अनुशासन और निरंतर मेहनत के दम पर यह शानदार मुकाम हासिल किया। आराध्या वर्तमान में दीप्ती कान्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, जगदलपुर की छात्रा हैं। अपनी इस सफलता का श्रेय उन्होंने विनम्रता के साथ अपने माता-पिता एवं गुरुजनों को दिया। उन्होंने कहा कि परिवार और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। आराध्या की इस उपलब्धि से चौहान परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। वहीं पूरे कूकानार गाँव में गर्व और उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने आराध्या को बधाइयाँ देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। आराध्या के पिता ज्ञानेंद्र चौहान भी शिक्षा के प्रति समर्पित और मेधावी रहे हैं। एलएलबी की पढ़ाई के बाद उन्होंने शिक्षक के रूप में सेवाएं दीं, लेकिन बाद में पुलिस विभाग में शामिल होकर वर्तमान में पुलिस थाना माकड़ी, जिला कोंडागांव में निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। आराध्या की सफलता न केवल उसके परिवार के लिए गर्व का विषय है, बल्कि क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन गई है, जो यह संदेश देती है कि कड़ी मेहनत और सही मार्गदर्शन से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

संयुक्त खदान मजदूर संघ किरन्दुल ने अपने सभी सदस्यों को वितरित किया वार्षिक उपहार

किरंदुल। मजदूर संगठन 'संयुक्त खदान मजदूर संघ' किरन्दुल के तत्वाधान में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने सभी मजदूर साथियों को वार्षिक उपहार स्वरूप ट्रेवल बैग प्रदान किया। विदित हो कि एनएनडीसी परियोजना किरंदुल में मजदूरों के हितों के लिए गठित सबसे पुरानी और सबसे बड़ी मजदूर संगठन एसकेएमएस प्रतिवर्ष अपने सदस्य के बीच मिलन समारोह एवं वार्षिक उपहार का वितरण करते आ रही हैं। इस वर्ष भी मजदूर संघ ने अपने कार्यालय इंद्रजीत सिंह भवन में सुबह से ही वार्षिक उपहार अपने सदस्यों के बीच में बांटना प्रारंभ किया। जो कि कई चरणों मे वितरित किया जाएगा। प्रतिवर्ष मजदूरों में उनकी आवश्यकता को ध्यान में रखकर उपहार का वितरण किया जाता रहा है। इस उपहार वितरण का शुभारंभ संयुक्त खदान मजदूर संघ के अध्यक्ष देवरायलु एवं सचिव राजेश संधू द्वारा अपने सदस्यों को वितरित कर किया गया। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष रोशन मिश्रा, कार्यालय सचिव प्रदीप नामदेव, सुमीत घर, देवेंद्र कटारिया, अजय सिंह विशेष रूप से मौजूद थे।

सीबीएसई कक्षा 10वीं परीक्षा परिणाम में बीआईओपी सीनियर सेकेंडरी विद्यालय का शानदार प्रदर्शन

किरन्दुल। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें बीआईओपी सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, किरंदुल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय की छात्रा कुमारी सेजल सिंह पिता धनदीप सिंह ने 85% अंक अर्जित कर विद्यालय में प्रथम एवं कुमारी कोयल पाल पिता दीपक पाल ने 80व अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा इसी क्रम में मास्टर शिवानंद मांडवी पिता बाल सिंह मांडवी ने 68.2% अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस तरह विद्यालय के कुल 12 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की। विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार दुबे ने इस सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों के अथक प्रयास, एनएमडीसी प्रबंधन किरंदुल के मार्गदर्शन, विद्यार्थियों की सतत मेहनत एवं अभिभावक के सहयोग को दिया। इस शुभ अवसर पर प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ प्रेषित की।

KOYAL PAUL

SEJAL SINGH

SHIVANAND MANDAVI

मुनि वीरभद्र का व्याख्यान सुनने बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग पहुंचे

कोंडागांव। कोंडागांव में सकल जैन समाज के जैन मुनि वीरभद्र के व्याख्यान को सुनने के लिए जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में ओसवाल भवन पहुंचे। इस दौरान मुनि वीरभद्र ने अपने तप, संयम और जीवनशैली को लेकर महत्वपूर्ण बातें साझा की। जैन मुनि ने कहा कि उन्होंने 175 दिनों का कठोर तप - किया, लेकिन वे इससे अधिक तप नहीं करना चाहते थे, क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं उनके मन में अहंकार न आ जाए। उन्होंने बताया कि तप केवल शरीर का नहीं, बल्कि मन का भी होता है,मन पर नियंत्रण ही सच्ची साधना है। मुनि ने कहा कि हर व्यक्ति तप कर सकता है, बस इसके लिए आत्मसंयम और दृढ़ संकल्प जरूरी है मुनि ने कहा कि सूर्य उदय के बाद और सूर्यास्त से पहले ही भोजन और जल ग्रहण करना चाहिए, इससे शरीर स्वस्थ रहता है और अनेक बीमारियों से बचाव होता है। उन्होंने युवा पीढ़ी की जीवनशैली पर चिंता जताते कहा कि युवा पीढ़ी की जीवन शैली के लिए मोबाइल सबसे बड़ा घातक होते जा रहा है जो युवा पीढ़ी को समाज से धर्म से परिवार से दूर कर रहा है। दूसरे सबसे अधिक कठोर तप करने वाले जैन मुनि वीरभद्र ने कहा कि यूट्यूब, फेसबुक और व्हाट्सएप का अत्यधिक उपयोग बच्चों के व्यवहारिक ज्ञान को कमजोर कर रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चे धीरे-धीरे सामाजिक और पारिवारिक संस्कारों से दूर होते जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों पर निगरानी रखें, विशेषकर रात के समय मोबाइल उपयोग को सीमित करें। मुनि वीरभद्र ने अंत में कहा कि तकनीक आवश्यक है, लेकिन उसका संतुलित उपयोग ही जीवन को सही दिशा दे सकता है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रांसफर की धमकी देकर की लाखों रूपए की ठगी

बिलासपुर। तोरवा थाना क्षेत्र में पदस्थ एक नर्सिंग सुपरिटेंडेंट के साथ मोबाइल के जरिए ठगी का गंभीर मामला सामने आया है। प्रार्थी लक्ष्मी साहू, जो रेलवे कालोनी में रहती हैं और सेंट्रल हॉस्पिटल बिलासपुर में नर्सिंग सुपरिटेंडेंट के पद पर कार्यरत हैं, उन्होंने एक मोबाइल धारक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। प्रार्थी के अनुसार, उन्हें 23 सितंबर 2025 को एक मोबाइल नंबरों से कॉल कर धमकाया गया कि यदि उन्होंने पैसे नहीं दिए तो उनकी पदस्थापना छत्तीसगढ़ से बाहर नागपुर में कर दी जाएगी। इस धमकी से भयभीत होकर उन्होंने बताए गए मोबाइल नंबर पर फोन पे के मध्यम से 20,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। इतना ही नहीं, इस ठगी के जाल में अन्य लोग भी फंस गए। कामनी नामक महिला ने 25,000 रुपये, मृदुला ने 50,000 रुपये और प्रीति ने 20,000 रुपये उक्त मोबाइल धारकों के खाते में ट्रांसफर किए। इस तरह आरोपियों ने अलग-अलग लोगों से कुल लाखों रुपये की ठगी को अंजाम दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना तोरवा पुलिस ने मोबाइल नंबर के धारकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 (4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

प्राइवेट स्कूलों की भारी भरकम फीस पर सरकार ने दिखाई सख्ती

बिलासपुर। उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के एवज में पालकों की जेब ढीली करने वाले स्कूल प्रबंधन पर जल्द ही गाज गिरने वाली है। इस मामले को लेकर सरकार सख्त हो गई है। शिक्षा विभाग रायपुर के उप संचालक ने संभागीय जेडी को एक लिखा है, जिसमें कहा गया है कि निजी स्कूलों की फीस की जानकारी पूरी तरह से स्पष्ट होनी चाहिए और उसमें अगर कही पर ज्यादा फीस ली जाती है और परिजनों की शिकायत आती है तो जांच कर कार्रवाई होनी चाहिए। पत्र में 3 बिंदुओं पर निर्देश दिए गए हैं। उप संचालक ने पूछा है कि जिले में संचालित सभी निजी शालाओं में फीस विनियमन समित्ति का गठन हुआ है अथवा नहीं? यदि नहीं तो क्या कार्रवाई की गई है। क्या इन निजी शालाओं में शुल्क निर्धारण के लिए समिति की बैठक प्रति वर्ष आयोजित हो रही है? क्या बैठक आयोजन के पश्चात शुल्क निर्धारण का प्रदर्शन नोटिस बोर्ड में किया जा रहा है? जिला स्तरीय शुल्क समिति की विगत तीन वर्ष (2024-25, 2025-26, 2026-27) में आयोजित बैठकों की जानकारी दें।

शिक्षा विभाग भी लापरवाह

मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों द्वारा फीस विनियमन अधिनियम का पालन नहीं किया जा रहा है। कई स्कूल ऐसे हैं, जो जानकारी उपलब्ध कराना उचित नहीं समझ रहे हैं। इस मामले में जिला शिक्षा विभाग भी लापरवाही बरत रहा है। जानकारों का कहना है कि यह जिम्मेदारी शिक्षा विभाग की है. जिनको फीस स्ट्रक्चर की पूरी जानकारी निजी स्कूलों से मांगनी चाहिये।

बिलासपुर में युवक का आत्मदाह का प्रयास: सड़क पर खुद को लगाई आग, 80प्रतिशत झुलसा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक युवक ने सार्वजनिक स्थान पर खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। यह घटना बिल्हा थाना क्षेत्र की बताई जा रही है, जिसने इलाके में सनसनी फैला दी है। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत दौड़कर युवक के शरीर में लगी आग बुझाई, लेकिन तब तक वह गंभीर रूप से झुलस चुका था। बताया जा रहा है कि युवक करीब 80 प्रतिशत तक जल गया है। घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। पहले फुटेज में युवक पेट्रोल पंप से डिब्बे में पेट्रोल लेते हुए दिखाई देता है, जबकि दूसरे फुटेज में वह सड़क किनारे अपनी बाइक रोककर खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाते हुए नजर आता है। आग लगते ही वह दर्द से सड़क पर गिर पड़ा। घायल युवक की पहचान मनजीत जायसवाल के रूप में हुई है, जो पौसरी गांव का निवासी बताया जा रहा है। गंभीर हालत में उसे तुरंत सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। इस घटना में युवक की बाइक भी पूरी तरह जलकर खाक हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

वन्य प्राणी का मांस पकाने का मामला उजागर, 4 आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। वनमण्डल अंतर्गत वन परिक्षेत्र रायगढ़ में 16 अप्रैल को ग्राम देलारी में वन्यप्राणी का मांस पकाए जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर उप वनमण्डलाधिकारी रायगढ़ द्वारा जारी पत्र के आधार पर संबंधित मकानों की विधिवत तलाशी ली गई। वन मंडलाधिकारी रायगढ़ वनमंडल से प्राप्त जानकारी के अनुसार तलाशी के दौरान अलग-अलग आरोपियों के घरों से पकाया हुआ वन्यप्राणी मांस बरामद किया गया।

पढ़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए यातायात पुलिस प्रशासन ने आमजन के सुविधा के लिए किए विशेष इंतजाम

चौक-चौराहों के ट्रैफिक सिग्नल अस्थायी रूप से बंद रखे जाएंगे

बिलासपुर। भीषण गर्मी और तेज लू के बीच यातायात पुलिस ने आम नागरिकों को राहत देने के लिए संवेदनशील पहल की है। शहर में 17 अप्रैल 2026 से रोजाना दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक सभी प्रमुख चौक-चौराहों के ट्रैफिक सिग्नल अस्थायी रूप से बंद रखे जाएंगे। दरअसल, तेज धूप में सिग्नल पर खड़े रहने के दौरान महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है, ताकि लोगों को लू और गर्मी से बचाया जा सके। एसएसपी रजनेश सिंह के मार्गदर्शन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रामगोपाल करियारे की निगरानी में यह व्यवस्था लागू होगी। इस दौरान ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए चौक-चौराहों पर पुलिस बल तैनात रहेगा यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि सिग्नल बंद होने के बावजूद नियमों का पालन करें और सड़क पार करने वालों को प्राथमिकता दें। साथ ही, गर्मी से बचाव के लिए जरूरी सावधानियां अपनाने की सलाह भी दी गई है, ताकि किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या से बच्चा जा सके। प्रदेश में इन दिनों भीषण गर्मी के कारण लोगो को झुलसना पड़ रहा है। अचानक से हुए मौसम के बदलाव में लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। तपती गर्मी और चुभती गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। हर साल की तरह इस साल भी भयंकर गर्मी ने अपना रूप दिखाना शुरू कर दिया है। देखा जाए तो पिछले तीन साल से पारा 42 डिग्री से ऊपर जा रहा है जिसके कारण लोगो का हाल बेहाल हो गया है। और भीषण गर्मी पड़ने से पशु पक्षी और जानवरों की भी मौत होनी शुरू हो जाती है। दरअसल छत्तीसगढ़ में सूरज के तेवर अब साफदिखने लगे हैं। बिलासपुर समेत रायपुर और दुर्ग संभाग में भीषण गर्मी ने दस्तक दे दी है। और अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। बिलासपुर में गुरुवार का तापमान 35.5 डिग्री दर्ज किया गया। आंशिक बादल के बावजूद उमस और गर्म हवाओं से लोग परेशान हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। 14 अप्रैल से कई इलाकों में तापमान सामान्य से ज्यादा रहेगा। बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग में पारा 42 डिग्री सेल्सियस के ऊपर जा सकता है। लगातार बढ़ती गर्मी के बीच कुछ जगहों पर लू चलने की भीचेतावनी जारी की गई है। 17 अप्रैल को बिलासपुर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। इसमें मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार ओडिशा से मन्नार की खाड़ी तक एक ट्रफ सक्रिय है. जो दक्षिण छत्तीसगढ़ से होकर गुजर रहा है। यही मौसम तंत्र पूरे राज्य के मौसम को प्रभावित कर रहा है। मौसम विभाग ने लोगों को खास सावधानी बरतने को कहा है कि वेपहर में धूप से बचें और ज्यादा से ज्याय पानी पिएं। अगले दो दिन प्रदेश में मौसम गर्म रहेगा। आमजनों को तपती धूप से राहत देने के लिए चार दोपहर घंटे तक सिग्नल को बंद रखा जाएगा इसके लिए लोगों को चौक पर सिग्नल का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि लोग तीन सवारी, बिना नंबर की बाइक गड़िया और नियमों की अनदेखी करके गाड़ियों को चला बल्कि जवानों की नजर और खैसीटीवी की नजर से कोई नहीं बच पाएगा। इसमें माध्यम से भी वाहन चालकों पर कार्रवाई होगी, ताकि लोग नियमों का उल्लंघन न कर सके और ट्रैफिक सिग्नल को न तेड़े। इसके लिए पल पल की जानकारी सीसीटीवी के माध्यम से ली जाएगी और शहर की बिगरानी सीसीटीवी से की जाएगी।

अवैध उर्वरक भंडारण पर लगातार कार्रवाई जारी....

■ 27 निजी एवं 7 सहकारी उर्वरक भंडार एवं विक्रय केंद्रों का निरीक्षण

रायगढ़। किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज, उर्वरक एवं कीटनाशी उपलब्ध हो सके और किसी प्रकार की कालाबाजारी या अनियमितता न हो, इसके लिए संचालनालय कृषि, रायपुर के निर्देशानुसार कलेक्टर के निर्देश पर जिले भर में उर्वरक विक्रेताओं के भंडारण एवं विक्रय स्थलों का सघन एवं लगातार औचक निरीक्षण किया जा रहा है। उप संचालक कृषि ने बताया कि अभियान के तहत तमनार क्षेत्र में 16 अप्रैल को घरघोड़ा स्थित एक गोदाम में अवैध उर्वरक भंडारण की सूचना प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर उर्वरक निरीक्षक श्री उदित नारायण नगाईच द्वारा मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान गोदाम में भारी मात्रा में उर्वरक पाया गया, जिसे गोयल बीज भंडार, घरघोड़ा के प्रोपराइटर श्री संजय कुमार गोयल द्वारा स्वयं का बताया गया। हालांकि निरीक्षण के दौरान संबंधित द्वारा उर्वरक भंडारण एवं विक्रय से संबंधित कोई वैध दस्तावेज अथवा अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इस पर उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित) (नियंत्रण) आदेश, 1985 के प्रावधानों के अंतर्गत सख्त कार्रवाई करते हुए 90 बोरी नीम कोटेड यूरिया एवं 230 बोरी एसएसपी पाउडर को जब्त कर लिया गया। साथ ही उक्त उर्वरक को आगामी आदेश तक विक्रय हेतु प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त संबंधित विक्रेता की उर्वरक अनुज्ञप्ति को निलंबित किए जाने हेतु अनुज्ञप्ति अधिकारी एवं उप संचालक कृषि, रायगढ़ को अनुशंसा भी प्रेषित की गई है। इसी तरह विकासखण्ड धरमजयगढ़ के अंतर्गत 7 अप्रैल को किसान कृषि केन्द्र, अलोला के विक्रय स्थल एवं भंडारण कक्ष का निरीक्षण उर्वरक निरीक्षक श्री राम कुमार पटेल द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि केंद्र में स्कंध वितरण पंजी एवं बिल बुक का विधिवत संधारण नहीं किया जा रहा था। इस पर संबंधित संस्था को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। प्राप्त जवाब के परीक्षण में यह सामने आया कि संस्था द्वारा केवल नीम कोटेड यूरिया के वितरण का ही रिकॉर्ड प्रस्तुत किया गया।

प्रशासन ने आम नागरिकों को जागरूक करने निकाली हेलमेट जागरूकता रैली

■ कलेक्टर ने कहा दुर्घटना बताकर नहीं अचानक आती है जीवन की रक्षा के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट का करें उपयोग

जशपुर। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा थीम पर आधारित जनप्रतिनिधि अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों के साथ हेलमेट जागरूकता रैली पुलिस लाईन से निकाली गई। जिसमें पूरे शहर का भ्रमण कर रैली पुलिस लाईन में समापन किया गया। हेलमेट जागरूकता रैली में नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह और अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू भी शामिल होकर लोगों को वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट लगाने के लिए जागरूक किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत ने हेलमेट जागरूकता अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय हम सभी को हेलमेट और सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाना चाहिए जिससे हम आने वाली दुर्घटना से बच सकते हैं। हम सबको जिम्मेदारी लेनी होगी तभी दूसरे लोग भी देखकर हेलमेट लगाएंगे। कलेक्टर रोहित व्यास ने आम नागरिकों को अपील करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय हेलमेट अनिवार्य रूप से लगाएं। उन्होंने कहा कि हम लागातार प्रयास कर रहे है कि सड़क दुघर्टना में कमी आई इसके लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा अधिकारीयों, कर्मचारीयों और आम नागरिकों को कार्यालय आते समय या कही और अन्य जगह जा रहे हैं तो हेलमेट और सिट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोगों की आदत रहती है कि कुछ दूरी तक तो ही जाना है हेलमेट नहीं लगाएंगे तो चलेगा कुछ नहीं होगा दुर्घटना बता कर नहीं आती है अचानक आती है। उन्होंने कहा कि हम सामने वाले की मनोदशा को नहीं जानते हैं कि वह किस मन से गाड़ी चला रहा है शराब सेवन करके की किसी टेंशन में तो नहीं है। इसकी जानकारी हमें नहीं रहती है। हमको हेलमेट और सीट बेल्ट लगाने की आदत को दिनचर्या में शामिल करना होगा जैसे सुबह की हमारी दिनचर्या होती है उसी प्रकार।

देवखोल में अवैध कोयला खनन पर बड़ी कार्रवाई,6 टन से ज्यादा कोयला जब्त

कोरिया। जिले के पटना तहसील अंतर्गत देवखोल जंगल में अवैध कोयला खनन के खिलाफप्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। खनिज, वन, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर करीब 6 टन 61 किलो अवैध कोयला जब्त किया है।सुरंगों में घुसकर की गई कार्रवाईटास्क फोर्स के निर्देशन में चले इस अभियान में अधिकारियों ने अवैध सुरंगों के भीतर प्रवेश कर कार्रवाई की। मौके से कोयले के साथ-साथ फावड़ा, गेती, विद्युत पंप, पाइप और भारी मात्रा में बिजली के तार भी बरामद किए गए। इससे स्पष्ट हुआ कि अवैध खनन संगठित तरीके से किया जा रहा था।कानूनी कार्रवाई शुरूप्रशासन ने आरोपियों के खिलाफछत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 और खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया हैं। आगे की जांच जारी है।पहले भी हो चुकी कार्रवाईवन विभाग के अनुसार, देवखोल क्षेत्र में पहले भी अवैध खदानों को ब्लास्ट कर बंद किया जा चुका है। इसके बावजूद कुछ लोग सुरंगों को दोबारा खोलकर अवैध खनन कर रहे हैं। हाल ही में पटना पुलिस ने भी 3 टन 200 किलो अवैध कोयला जब्त किया था।प्रशासन सख्त, निगरानी तेजजिला खनिज अधिकारी ने बताया कि अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार नजर रखी जा रही है और शिकायत मिलते ही तुरंत कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग ने भी नियमित अभियान चलाने की बात कही है।

बिलासपुर में सूरज के तीखे तेवर और भीषण लू के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया...

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में सूरज के तीखे तेवर और भीषण लू के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इस चिलचिलाती धूप में सड़कों पर निकलने वाले वाहन चालकों, विशेषकर दोपहिया सवारों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी स्थिति को संज्ञान में लेते हुए बिलासपुर यातायात पुलिस ने एक संवेदनशील निर्णय लिया है। शहर के सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक ट्रैफिक सिग्नल अस्थायी रूप से बंद रखे जाएंगे। यातायात एएसपी रामगोपाल करियारे ने इस संबंध में आधिकारिक सूचना जारी करते हुए बताया कि गर्मी के मौसम में ट्रैफिक सिग्नल पर लाल बत्ती होने के कारण वाहन चालकों को कई मिनटों तक सीधी धूप में खड़ा रहना पड़ता है। इससे लू लगने, डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक का खतरा काफी बढ़ जाता है। विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों, महिलाओं और दिव्यांगजन के लिए यह स्थिति स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक साबित हो रही थी। इसी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सिग्नलों को दिन के सबसे गर्म घंटों के दौरान बंद रखने का फैसला लिया गया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सिग्नल बंद होने का अर्थ यातायात नियमों में ढील देना नहीं है। एएसपी करियारे के अनुसार, इस अवधि के दौरान भी प्रमुख चौराहों पर यातायात पुलिस का बल तैनात रहेगा, जो ट्रैफिक की सुचारू व्यवस्था और सुरक्षा की निगरानी करेगा। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि सिग्नल बंद होने की स्थिति में दुर्घटना की संभावना को कम करने के लिए वाहन की गति नियंत्रित रखें। अक्सर देखा गया है कि सिग्नल न होने पर लोग तेजी से वाहन चलाते हैं, जो जानलेवा साबित हो सकता है।

अर्टिगा में भरकर दौड़ रहा था नशे का जखीरा 245 किलो गांजा के साथ दो तस्कर धराए.....

बिलासपुर। नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार से दौड़ रही एक साधारण सी कार के भीतर छिपा था करोड़ों का नशे का खेल और रतनपुर पुलिस ने वक्त रहते उसे पकड़कर बड़ी तस्करी को धराशायी कर दिया, थाना रतनपुर और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने पुख्ता सूचना के आधार पर 17 अप्रैल 2026 को नवापारा चौक भेड़ीमुंडा के पास घेराबंदी की जहां कटघोरा की ओर से आ रही मारुति अर्टिगा क्रमांक छत्त 04त्तछ 7255 को रोका गया, जैसे ही पुलिस ने तलाशी ली तो कार के भीतर छिपाकर रखे गए 245 किलोग्राम गांजा का बड़ा जखीरा सामने आ गया जिसकी कीमत करीब 1 करोड़ 22 लाख रुपये आंकी गई, मौके पर ही वाहन चालक अमित कुमार केवट पिता त्रिवेणी प्रसाद केवट उम्र 33 वर्ष निवासी भुतहीटोला थाना बुढार जिला शहडोल मध्यप्रदेश को गिरफ्तार कर लिया गया, पुलिस ने जब सख्ती से पूछताछ की और मोबाइल कॉल डिटेल खंगाले तो पूरे नेटवर्क का दूसरा सिरा भी सामने आ गया जिसके बाद नीरज शुक्ला पिता अशोक शुक्ला उम्र 30 वर्ष निवासी भदरा कालरी थाना भालूमाड़ा जिला अनुपपुर मध्यप्रदेश को भी गिरफ्तार कर लिया गया, कार्रवाई में न सिर्फ गांजा बल्कि तस्करी में इस्तेमाल की गई अर्टिगा कार कीमत 8 लाख रुपये, एक मोबाइल और दो नंबर प्लेट समेत कुल 1 करोड़ 30 लाख 56 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की गई, यह पूरी कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह (भ्रूक्ष), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मधुलिका सिंह और एसडीओपी कोटा नूपुर उपाध्याय के निर्देशन में अंजाम दी गई जिसमें थाना प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस अंशिका जैन और एसीसीयू प्रभारी निरीक्षक गोपाल सतपथी सहित पूरी टीम की अहम भूमिका रही, दोनों आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है और अब पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है, यह कार्रवाई साफ संकेत है कि हाईवे पर नशे का कारोबार अब पहले जितना आसान नहीं रहा क्योंकि पुलिस की नजर हर उस गाड़ी पर है जो कानून को चुनौती देने की कोशिश करेगी और याद रखिए—नशे की हर खेप का अंजाम अब सलाखों के पीछे ही तय है।

कबीरधाम पुलिस की बड़ी कार्रवाई: गौ तस्करी में आरोपी गिरफ्तार

कबीरधाम। जिले में गौ तस्करी के खिलाफपुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना रेंगाखार क्षेत्र में पुलिस ने अवैध रूप से मवेशियों की तस्करी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। जानकारी के मुताबिक, 11 अप्रैल 2026 की रात एक बोलेरो पिकअप वाहन में मवेशियों को भरकर मध्य प्रदेश की ओर ले जाया जा रहा था। इस दौरान गौ सेवकों द्वारा पीछा किए जाने पर चालक ग्राम सूपखार के पास वाहन और मवेशियों को छोड़कर मौके से फरार हो गया।

बाप-बेटे का झगड़ा बना खून का खेल

जशपुर। जशपुर जिले के बागबहार थाना क्षेत्र के ग्राम हल्दी झरिया के बढ़ई पारा में घरेलू विवाद ने ऐसा खौफनाक मोड़ लिया कि बेटे ने ही अपने पिता को मौत के घाट उतार दिया, 16 अप्रैल 2026 की शाम करीब 4:30 बजे मामूली कहासुनी अचानक हिंसा में बदल गई जब 26 वर्षीय विजय कुमार नाग ने गुस्से में आकर अपने ही पिता 45 वर्षीय सदानंद नाग के सिर और माथे पर लकड़ी की फाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर दिया, वार इतने घातक थे कि पिता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, घटना की सूचना मिलते ही बागबहार पुलिस हरकत में आई, टीम तुरंत मौके पर पहुंची, शव पंचनामा किया गया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, डॉक्टरों की शॉर्ट रिपोर्ट में साफ हुआ कि मौत सिर पर गंभीर चोट के कारण हुई है और मामला पूरी तरह हत्यात्मक है, मृतक की पत्नी जो आरोपी की सौतेली मां है उसने बताया कि दोनों के बीच घरेलू विवाद चल रहा था और इसी दौरान यह वारदात हुई, पुलिस ने उसकी रिपोर्ट पर आरोपी विजय नाग के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज किया और जांच शुरू की, पूछताछ में आरोपी ने खुद कबूला कि पिता उसे काम न करने पर ताना दे रहे थे और गुलेल से मिट्टी की गोली मारने की कोशिश कर रहे थे, इसी बात पर वह आपा खो बैठा और पास में रखी लकड़ी की फाड़ी उठाकर हमला कर दिया।

घुलनशील और अघुलनशील फाइबर का अच्छा स्रोत है भिंडी का पानी

गर्मी के सीजन में मिलने वाली भिंडी में शरीर के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व शामिल होते है। भिंडी में सिर्फ 30 प्रतिशत कैलोरी मिलती है। भिंडी में फाइबर, विटामिन-बी6 और फोलेट की भरपूर मात्रा होती है। विटामिन-बी डायबिटीक न्यूरोपैथी को बढने से रोकता है और होमोसिस्टाइन का लेवल कम करता है, जो शरीर में डायबिटीज का एक प्रमुख कारण माना जाता है। साथ ही, भिंडी के पानी में घुलनशील फाइबर पाया जाता है जो शरीर में शुगर को स्थिर रखता है। भिंडी में ना सिर्फ कम कैलोरी पाई जाती है, बल्कि ये पानी में घुलनशील और अघुलनशील फाइबर का भी बहुत अच्छा स्रोत है। इस एलिमेंट की वजह से शरीर में फाइबर देरी से टूटता है और खून में शुगर बहुत धीमी गति से रिलीज होता है। यही कारण है कि भिंडी शरीर का ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल रखती है। इसके अलावा, भिंडी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जढढ) भी काफी कम होता है और ये बात साबित हो चुकी है कि कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली चीजें हमारा ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल रखती हैं। अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन भी डायबिटीज के मरीजों के लिए भिंडी को एक बहुत अच्छा विकल्प मानते हैं।

घर में ऐसे बनाएं भिंडी का पानी

5-6 मीडियम आकार की भिंडी लेकर इनके किनारे काट लें। भिंडी को बीच से काट लें और फिर एक से दो कटोरी पानी में भिगो दें। रात भर या 4-5 घंटे इनको ऐसे ही रहने दें। इसके बाद भिंडी के टुकड़े निचोड़ कर निकाल लें। फिर इसमें थोड़ा सादा पानी मिलाएं ताकि पानी की मात्रा करीब एक गिलास हो जाए।

एक गिलास भिंडी के पानी में -

कार्बोहाइड्रेट-6 ग्राम
फोलेट-80 माइक्रोग्राम
फाइबर-3 ग्राम प्रोटीन-2 ग्राम

भिंडी के पानी के और फायदे

- अगर आपको गुर्दे संबंधी कोई भी समस्या हो। रोजाना खाली पेट एक गिलास भिंडी का पानी पिएं। आपको फर्क नजर आ जाएगा।
- अगर आप अपना वजन कम करना चाहते है, तो इसमें भिंडी का पानी काफी फायदेमद साबित हो सकता है। लगातार एक माह इसका सेवन करने से आपको फर्क नजर आ जाएगा।
- कोलेस्ट्राल कम करने में भिंडी का पानी मददगार है। रोजाना भिंडी के पानी का सेवन करने से आपको हार्ट अटैक का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।
- भिंडी में विटामिन ए भरपुर मात्रा में पाया जाता है। यह तत्व पानी के जरिए शरीर में जाता है जिससे आंखों की रोशनी बढ़ती है।
- शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी को पूरा करता है भिंडी का पानी। भिंडी के पानी से आपकी बॉडी में रेड ब्लड सेल्स की मात्रा तेजी से बढ़ेगी।

बनानी है तगड़ी बॉडी? हद से ज्यादा प्रोटीन देंगी ये चीजें

वेट लॉस में प्रोटीन जरूरी है क्योंकि यह पेट देर तक भरा रखता है जिससे ओवरईटिंग कम होती है, वजन कम करते समय मसल्स को टूटने से बचाता है और शरीर इसे पचाने में ज्यादा कैलोरी खर्च करता है। वर्कआउट के बाद बॉडी जल्दी रिकवर होती है, जिससे आप नियमित एक्सरसाइज कर पाते हैं और वेट लॉस तेज होता है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं लेकिन रोज की प्रोटीन जरूरत भी पूरी करना चाहते हैं, तो कुछ लो-कैलोरी नॉन-वेज प्रोटीन ऑप्शन बताए हैं जो बिना वजन बढ़ाए मसल्स बढ़ाने में मदद करते हैं।

प्रोटीन के लिए क्या खाना चाहिए

वेट लॉस में प्रोटीन जरूरी है क्योंकि यह पेट देर तक भरा रखता है जिससे ओवरईटिंग कम होती है, वजन कम करते समय मसल्स को टूटने से बचाता है और शरीर इसे पचाने में ज्यादा कैलोरी खर्च करता है। वर्कआउट के बाद बॉडी जल्दी रिकवर होती है, जिससे आप नियमित एक्सरसाइज कर पाते हैं और वेट लॉस तेज होता है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं लेकिन रोज की प्रोटीन जरूरत भी पूरी करना चाहते हैं, तो गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. पॉल मणिक्कम ने कुछ लो-कैलोरी नॉन-वेज प्रोटीन ऑप्शन बताए हैं जो बिना वजन बढ़ाए मसल्स बढ़ाने में मदद करते हैं।

प्रोटीन वजन घटाने में कैसे मदद करता है?

प्रोटीन खाने से भूख कम लगती है और कुल कैलोरी अपने आप कम होती है। प्रोटीन को पचाने में शरीर ज्यादा कैलोरी खर्च करता है, जिससे वजन तेजी से घटता है। यह एनर्जी लेवल को बेहतर रखता है, शरीर में जमा पानी व ग्लाइकोजन थोड़ा कम करता है, वर्कआउट के बाद सॉरनेस घटाता है और वजन घटाते समय मसल्स को सुरक्षित रखकर मेटाबॉलिज्म को मजबूत बनाता है।

बॉडी बनाने के लिए कितना प्रोटीन जरूरी?

मसल्स बनाने और उन्हें बनाए रखने के लिए 1.2 से 1.6 ग्राम प्रोटीन प्रति किलो वजन जरूरी है। अगर इसके साथ रेगुलर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी की जाए, तो रिजल्ट और भी अच्छे मिलते हैं। लीन नॉन-वेज प्रोटीन शरीर में अमीनो एसिड जल्दी पहुंचाते हैं, जिससे रिकवरी तेज होती है।

प्रोटीन के बेस्ट नॉन-वेज ऑप्शन

व्हाइट फिश जैसे तिलापिया, कॉड, पम्फ्रेट और मैकरल ओमेगा-3 से भरपूर होती हैं जबकि झींगा और प्रॉन्स सेलेनियम से भरपूर, जल्दी पकने वाले और आसानी से पचने वाले होते हैं। एग व्हाइट और चिकन ब्रेस्ट सबसे लीन और कम कैलोरी वाले प्रोटीन स्रोत हैं। उन्होंने सलाह दी कि इमर्सिटक और विंग्स से बचें क्योंकि इनमें प्रोटीन तो होता है लेकिन ज्यादा फैट होने के कारण कैलोरी भी बहुत होती है।

लो-कैलोरी नॉन-वेज प्रोटीन

सबसे अच्छे लो-कैलोरी नॉन-वेज प्रोटीन ऑप्शन में टर्की ब्रेस्ट, लीन पोर्क कट्स जैसे टेंडरलॉइन और लॉइन चॉप्स, व्हाइट फिश जैसे तिलापिया, कॉड, हैडॉक, पोलक और सोल, एग व्हाइट और शेलफिश जैसे झींगा, क्रैब, लॉब्स्टर और क्लैम्स शामिल हैं।

लो कैलोरी डेयरी प्रोटीन ऑप्शन

इसके अलावा, स्किम्ड मिल्क, नॉन-फैट ग्रीक योगर्ट, लो-फैट पनीर और रिकोटा चीज भी कम कैलोरी में प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं और ये स्नैक्स या पोस्ट-वर्कआउट के लिए बेहतरीन विकल्प हैं।

बिना डॉक्टर की सलाह न लें पेरासिटामोल

साधारण बुखार आने पर भी हम अक्सर पेरासिटामोल का सेवन करते हैं। पेरासिटामोल बुखार के असर को कम करने के लिए एक बेहतरीन दवा मानी जाती है। अक्सर डॉक्टर भी बुखार या दर्द की समय में पेरासिटामोल ही प्रिस्क्राइब करते हैं। कई लोग डॉक्टर की बिना सलाह के भी पेरासिटामोल का सेवन करते हैं। साथ ही कई लोगों को छोटी-छोटी बीमारियों के लिए पेरासिटामोल खाने की आदत होती है। आपको पूरी और सही जानकारी के बिना इसका सेवन बिना डॉक्टर की सलाह से नहीं करना चाहिए।

क्या है पेरासिटामोल?

पेरासिटामोल एक प्रकार की दवाई है जिसे माइल्ड फीवर या दर्द के समय इस्तेमाल किया जाता है। पेरासिटामोल दर्द को जड़ से खत्म नहीं करती है बल्कि दर्द के एहसास को कम करती है। साथ ही बुखार आने पर पेरासिटामोल के सेवन से आपके शरीर का तापमान कम हो जाता है। इसका असर 4-6 घंटे के बीच रहता है। इसके अलावा पेरासिटामोल को इन कारणों की वजह से भी इस्तेमाल किया जाता है:

- कमर दर्द
- सिर दर्द
- माइग्रेन
- मांसपेशियों में जकड़न
- पीरियड्स में दर्द
- दांतों में दर्द
- सर्दी के कारण दर्द

पेरासिटामोल के साइड इफेक्ट्स

ज्यादा पेरासिटामोल के सेवन से आपको साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं। आपको एलर्जी, स्किन पर रैशेज या ब्लड डिसऑर्डर जैसी परेशानी हो सकती है। इसके साथ ही पेरासिटामोल के गलत इस्तेमाल से लिवर और किडनी डैमेज होने का खतरा भी रहता है। पेरासिटामोल के ओवरडोज से डायरिया, ज्यादा पसीना, भूख की कमी, बेचैनी, उल्टी, पेट में दर्द, सूजन, दर्द, पेट में मरोड़ जैसी समस्या भी हो सकती है।

पेरासिटामोल की सही खुराक

अमेरिकी गाइडलाइन के अनुसार एक एडल्ट को 325-650 द्वद्व तक की पेरासिटामोल का सेवन करना चाहिए। इस दवा को 4-6 घंटे के बीच के अंतराल में लेना चाहिए क्योंकि एक खुराक का असर करीब 4-6 घंटे के बीच ही रहता है। गाइडलाइन के अनुसार बुखार में 500 एमजी पेरासिटामोल को 6 घंटे के बाद ही लेना चाहिए। छोटे बच्चे को पेरासिटामोल देते समय बहुत सतर्कता रखनी चाहिए। छोटे बच्चे को 10-15 द्वद्व की खुराक 6 घंटे के समय में देना चाहिए। दर्द की परेशानी को खत्म करने के लिए 500 एमजी की दवा 4 से 6 घंटे के अंतराल पर लेनी चाहिए। वहीं छोटे बच्चे को 10 से 15 एमजी प्रति किलोग्राम शरीर के वजन के हिसाब से 6 से 8 घंटे के बीच लेनी चाहिए।

कब नहीं लेनी चाहिए पेरासिटामोल

गाइडलाइन्स के अनुसार अगर आप 3 दिन से लगातार पेरासिटामोल ले रहे हैं और बुखार नहीं उतर रहा है तो आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिए। किसी भी तरह के दर्द में 10 दिन से ज्यादा पेरासिटामोल नहीं लेनी चाहिए। साथ ही अगर आपको लीवर, किडनी, अल्कोहल और अंडर वेट की समस्या है तो आपको डॉक्टर की सलाह के बिना इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

शरीर को तरोताजा रखता है नींबू पानी

हमारे शरीर को प्रतिदिन कई सारे विटामिन्स की जरूरत होती है जिनकी कमी होने पर बीमारियाँ आ जाती हैं। इन्ही विटामिन्स में से एक है विटामिन-सी जो शरीर की इम्यूनिटी बूस्ट करने का काम करता है। गर्मियों के इन दिनों में इसका सबसे अच्छा स्त्रोत माना जाता है नींबू को जिसके उत्पाद बहुत पसंद किए जाते हैं और शरीर को ठंडक प्रदान करते हैं। इस बात की जानकारी सभी को है कि नींबू का सेवन करने से हेल्थ काफी अच्छी रहती है और यह काफी फायदेमंद होता है। नींबू पानी भी शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। गर्मियों में नींबू पानी जरूर पीना चाहिए जिससे शरीर डिहाइड्रेटेड न हो और बॉडी में ताकत बनी रहे। नींबू पानी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है। नींबू पानी में कई प्रकार के पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखते हैं। वहीं सुबह खाली पेट इसको पीने से वजन कम करने में बहुत सहायता मिलती है। साथ ही साथ पेट की समस्याओं से भी छुटकारा मिल जाता है। जिनको गैस की समस्या है उनको सुबह हल्के गर्म नींबू पानी का सेवन अवश्य करना चाहिए। नींबू से शरीर को विटामिन सी, पोटैशियम और फाइबर मिलता है। वैसे तो नींबू पानी को किसी भी वक्त पिया जा सकता है लेकिन यह सबसे ज्यादा असरकारक तब होता है जब आपका पेट पूरी तरह से खाली हो अर्थात सुबह उठने के बाद फ्रेश होकर नींबू पानी को पिया जाए तो इसके कई सारे फायदे होते हैं।

ग्लो करती है त्वचा

सुबह नींबू पानी पीने से त्वचा में निखार आता है। रोज नींबू पानी का सेवन करने से चेहरे के दाग धब्बे भी गायब हो जाते हैं। इससे झुर्रियों से भी छुटकारा मिल जाता है। ग्लोइंग स्किन के लिए नींबू पानी बहुत मददगार साबित हो सकता है।

इम्यूनिटी को बढ़ाता है

नींबू में विटामिन सी होता है जिसकी वजह से शरीर की इम्यूनिटी पावर को बढ़ाने में मदद मिलती है। रोज सुबह खाली पेट नींबू पानी पीने से इम्यूनिटी पावर को बढ़ाया जा सकता है। ऐसी कई ड्रिंक्स है जो इम्यूनिटी को बढ़ा सकती है मगर नींबू सबसे सस्ती इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक है।

ठीक रहता है पाचन तंत्र

नींबू पाचन क्रिया में बहुत मददगार साबित होता है। रोजाना सुबह नींबू पानी पीने से पूरे दिन की पाचन क्रिया को दुरुस्त बनाया जा सकता है। इससे एसिडिटी से भी मुक्ति पाई जा सकती है।

वजन करता है कम

नींबू पानी वजन कम करने में आपकी सहायता कर सकता है। असल में, नींबू में पाया जाने वाला पेक्टिन फाइबर शरीर को भूख फील नहीं होने देता। जिसकी वजह से कोई भी असमय स्नैक्स जैसे फूड्स नहीं खाता। इससे वजन को कम करने में काफी आसानी होती है। साथ ही नींबू पानी शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालकर वजन कम करने में भी मदद करता है।

यूरिक एसिड बढ़ाती हैं ये सब्जियां

यूरिक एसिड बढ़ना एक गंभीर समस्या है जिससे आपको गठिया जैसी दर्दनाक जोड़ों की बीमारी गाउट का खतरा होता है। बढ़ा हुआ यूरिक एसिड लेवल आपकी किडनियों के लिए भी खतरनाक है और यह पथरी बना सकता है। यूरिक एसिड एक गंदा पदार्थ होता है, जो आपके द्वारा सेवन किये गए उन खाद्य पदार्थों से बनता है, जिनमें प्यूरीन की मात्रा अधिक होती है। इसके पाचन होने के बाद ही यूरिक एसिड बनता है। बेहतर सेहत के लिए यूरिक एसिड लेवल को कंट्रोल रखना जरूरी है।

यूरिक एसिड कैसे कम करें?

जाहिर है इसे कंट्रोल करने के लिए आपको उन फूड्स का कम सेवन करना चाहिए जिनमें प्यूरीन की मात्रा कम होती है। हालांकि रोजाना खाई जाने वाली कुछ सब्जियों में प्यूरीन की मात्रा अधिक होती है। बेशक सब्जियां विटामिन, कैल्शियम, आयरन और मिनरल्स का भंडार हैं लेकिन कुछ सब्जियां आपके शरीर में प्यूरीन भरने और उसे यूरिक एसिड बनाकर खून जोड़ों में भरने का काम करती हैं। फैट टू स्लिम की डायरेक्टर और न्यूट्रिशनिस्ट एंड डाइटीशियन शिखा अग्रवाल शर्मा आपको बता रही हैं कि किन-किन सब्जियों में प्यूरीन की मात्रा अधिक होती है।

प्यूरीन और यूरिक एसिड के बीच क्या संबंध?

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि प्यूरीन और यूरिक एसिड के बीच क्या संबंध है। वास्तव में प्यूरीन अपने आप में कोई समस्या नहीं है। यह समस्या तब बनती है, जब शरीर इसे तोड़ता है और यह यूरिक एसिड बन जाता है। अधिकतर मामलों में यूरिक एसिड खून में घुल जाता है और आपकी किडनियां इसे छानकर पेशाब के रास्ते बाहर निकाल देती हैं। मगर अगर आपके खून में बहुत अधिक यूरिक एसिड है या आपकी ऐसी स्थिति है जिससे आपकी किडनी के लिए यूरिक एसिड को प्रभावी ढंग से निकालना अधिक कठिन हो जाता है, तो इससे यूरिक एसिड क्रिस्टल यानी छोटी-छोटी पथरी का रूप ले लेते हैं जिससे गाउट या किडनी की पथरी होने का खतरा होता है।

इन सब्जियों में सबसे ज्यादा प्यूरीन

- मशरूम, हरी मटर, पालक, शतावरी, ब्रोकोली स्प्राउट्स और फूलगोभी ऐसी सब्जियां हैं जिनमें सबसे अधिक मात्रा में प्यूरीन होता है। आपको इन सब्जियों को प्रति दिन कुल 1/2 कप से अधिक नहीं खाना चाहिए।

गाउट और पथरी होने का खतरा

जब यूरिक एसिड क्रिस्टल बन जाता है, तो यह जाकर जोड़ों में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि यूरिक एसिड के क्रिस्टल अधिकतर हाथ और पैरों के जोड़ों में इकट्ठा हो जाते हैं। ऐसा होने से गाउट रोग हो जाता है। यह गठिया की तरह एक दर्दनाक जोड़ों का रोग है जिसमें जोड़ों का लाल होना, दर्द, सूजन, अकड़न, जकड़न होने लगती है। ठीक इसी तरह इससे आपको किडनी में पथरी होने का भी खतरा होता है।

सब्जियों के अलावा इन चीजों में पाया जाता है ज्यादा प्यूरीन

- सभी तरह के लाल मांस
- चिकन
- ऑर्गन मीट
- कई तरह की मछलियां जैसे- सार्डिन, एन्कोविस, हेरिंग, मैकरेल, ट्राउट और टूना

यूरिक एसिड कम करने के उपाय

- हाई प्यूरीन फूड्स का कम सेवन करने के अलावा आपको रोजाना 8 से 12 कप तरल पदार्थ पीने चाहिए
- यह आपके पेशाब में यूरिक एसिड को पतला करता है और किडनी की पथरी को रोकने में मदद कर सकता है
- पानी, हर्बल, नारियल पानी, छाछ आदि अच्छे ऑप्शन हैं
- बीयर और अन्य मादक पेय पदार्थों से बचें
- खाने में फैट की मात्रा कम करें।
- हाई फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप या शुगर से बनी ड्रिंक्स पीने से बचें
- वजन कम करने पर ध्यान दें
- हमेशा कम और दिन में कई बार खाए

एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय बायोमेडिकल लेबोरेटरी दिवस मनाया गया

(IFBLS Day); लैब तकनीशियनों की भूमिका पर हुई चर्चा

दुर्ग/चिखली। छत्तीसगढ़ स्टेट यूनिट टीम AIMLTA (ऑल इंडिया मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन) द्वारा शनिवार को अंतरराष्ट्रीय बायोमेडिकल लेबोरेटरी साइंस दिवस (IFBLS Day) उत्साहपूर्वक मनाया गया। 14 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलने वाले इस विशेष पखवाड़े के तहत आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा में लैब तकनीशियनों के योगदान और भविष्य की चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

दिग्गज अतिथियों की रही उपस्थिति- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ऑल इंडिया लैब एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष महबूब सर शामिल हुए। उनके साथ एआईएमएलटीए (AIMLTA) के प्रदेश सचिव एबिसन वर्गीस, बायोकेमिस्ट्री स्टेट वाइस प्रेसिडेंट सुरेश सर, अंतरराष्ट्रीय वैद्य अध्यक्ष गणेश पांडे और पैथोलॉजी विभाग से संजय गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अस्पताल और कॉलेज प्रबंधन का मिला सहयोग- समारोह में अस्पताल अधीक्षक डॉ दिव्य निधि शर्मा और नर्सिंग अधीक्षक लीलावती वर्मा ने बायोमेडिकल लैब प्रोफेशनल्स के महत्व को रेखांकित किया। कॉलेज प्रोफेसर एस.के. गुप्ता, सुनीता मैम और आशा मैम ने विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में आ रहे नए तकनीकी बदलावों की जानकारी दी।

पैरामेडिकल विभाग की सक्रिय भागीदारी- पैरामेडिकल विभाग से अरविंद कुमार खरवार और उनकी टीम ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी बीमारी के सही इलाज के लिए सटीक लैब रिपोर्ट पहली सीढ़ी होती है, इसलिए लैब प्रोफेशनल्स का कार्य अत्यंत जिम्मेदारी भरा है। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों के साथ एस आर हॉस्पिटल की टीम ने वार्डों में पहुंचे और भर्ती मरीजों से मुलाकात कर हालचाल पूछा।

बगलेडी में अवैध बोर उत्खनन पर कार्रवाई वाहन जब्त कर थाना साजा को सौंपा गया

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के अंतर्गत तहसील साजा के ग्राम बगलेडी में प्रशासन द्वारा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बगलेडी में बिना अनुमति के अवैध रूप से बोर उत्खनन किया जा रहा था। मामले की सूचना मिलते ही संबंधित विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जहां अवैध उत्खनन कार्य करते हुए एक वाहन पाया गया। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि संबंधित व्यक्तियों द्वारा आवश्यक अनुमति लिए बिना ही बोर उत्खनन किया जा रहा था, जो कि नियमों का उल्लंघन है। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उक्त वाहन को जब्त कर लिया। जब्त किए गए वाहन को विधिसम्मत कार्रवाई हेतु थाना साजा के सुपुर्द कर दिया गया है। प्रशासन द्वारा मामले की आगे की जांच की जा रही है तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध उत्खनन जैसी गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में निरंतर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

प्रभारी सचिव शहला निगार ने ली व्यापक समीक्षा बैठक

बेमेतरा। प्रमुख सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त एवं जिले की प्रभारी सचिव शहला निगार ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कृषि समूह के अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, जिला पंचायत सीईओ सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं के जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन, प्रगति की समीक्षा एवं आगामी कार्ययोजनाओं को गति देना रहा। प्रमुख सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक समय-सीमा में पहुंचाना सुनिश्चित करें।

कृषि एवं संबद्ध विभागों की विस्तृत समीक्षा, वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने के निर्देश

बैठक में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मछली पालन विभाग की योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। प्रमुख सचिव ने धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों को प्रोत्साहित करने, दलहन एवं तिलहन के रकबे में वृद्धि करने तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने बीज एवं उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा खरीफ सीजन की तैयारियों की समीक्षा की। रबी सीजन में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने अधिकारियों को किसानों की आय बढ़ाने हेतु नवाचारों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उद्यानिकी विभाग को फल, सब्जी एवं मसाला उत्पादन में वृद्धि हेतु आधुनिक तकनीकों को अपनाने तथा ड्रिप एवं सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। वहीं पशुपालन एवं मछली पालन को ग्रामीण आय का मजबूत साधन बताते हुए टीकाकरण, पशु चिकित्सा सेवाओं एवं मत्स्य पालकों के लिए क्रेडिट कार्ड की उपलब्धता की समीक्षा की गई।

राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं महिला-बाल विकास विभागों को दिए स्पष्ट निर्देश

प्रमुख सचिव ने राजस्व विभाग को नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन जैसे लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। डिजिटल रिकॉर्ड के अद्यतन एवं आम नागरिकों को होने वाली असुविधाओं को दूर करने पर भी जोर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता, डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु पूर्व तैयारियों की समीक्षा की गई। शिक्षा विभाग के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शिक्षकों की उपस्थिति, स्कूलों की आधारभूत सुविधाएं (पेयजल, शौचालय) एवं आगामी शैक्षणिक सत्र की तैयारियों पर चर्चा की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत आंगनबाड़ी सेवाओं, पोषण आहार की गुणवत्ता, कुपोषण मुक्ति अभियान तथा महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया।

गर्मी को देखते पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश

भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए प्रमुख सचिव ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल को लेकर किसी भी प्रकार की शिकायत या असंतोष की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए अधिकारी निरंतर मॉनिटरिंग करें और त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

उर्वरक की कालाबाजारी पर सख्ती, निगरानी बढ़ाने के निर्देश

आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए प्रमुख सचिव ने किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिले में कहीं भी उर्वरक की कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस हेतु जिला प्रशासन को निगरानी समिति गठित कर उर्वरक विक्रेताओं पर पैनी नजर रखने तथा वितरण प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति और जवाबदेही पर जोर

प्रमुख सचिव शहला निगार ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए तथा लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने अधिकारियों को हितग्राहियों से सीधा संवाद स्थापित कर जमीनी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक के अंत में उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ही वास्तविक विकास का आधार है, इसलिए सभी अधिकारी समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए जिले को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

लोकसभा में नारी शक्ति वंदन विधेयक को लेकर श्याम जायसवाल ने कांग्रेस पर हमला बोला

बल्लीराजहरा। लोकसभा में नारी शक्ति वंदन (संशोधन) विधेयक को विपक्ष द्वारा गिराए जाने पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्याम जायसवाल ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सदन में 21 घंटों की चर्चा के बाद विपक्ष ने जो किया है, वह देश की करोड़ों माताओं-बहनों के विश्वास के साथ क्रूर डकैती है। श्याम जायसवाल ने कांग्रेस और विपक्ष की धज्जियां उड़ाते हुए कहा कांग्रेस और उसके साथी दल केवल टीवी पर महिला सम्मान का ढोंग करते हैं। जब सदन में पीएम मोदी ने 2029 से ही महिलाओं को आरक्षण देने का ऐतिहासिक मौका दिया, तो इन आधुनिक दुर्योधनों ने एकजुट होकर उस अधिकार का चीरहरण कर दिया।

वंशवाद की दुकान बचाने का डर

इन विपक्षी दलों को डर है कि अगर सामान्य घरों की महिलाएं संसद और विधानसभा पहुंच गईं, तो इनकी खानदानी और वंशवादी राजनीति की दुकानें बंद हो जाएंगी। इसीलिए इन्होंने साजिश रचकर इस बिल को गिराया है। यह लोकतंत्र के इतिहास में कांग्रेस का सबसे बड़ा 'काला अध्याय' है। श्याम जायसवाल ने चेतावनी दी कि बालोद जिला भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा चुप नहीं बैठेगा। हम जिले के एक-एक गांव और घर-घर जाकर इन नारी विरोधियों का असली चेहरा दिखाएंगे। हम जनता को बताएंगे कि किसने आपकी बेटियों के भविष्य पर ताला जड़ा है। सुन ले कांग्रेस नारी का अपमान करने वालों का रावण जैसा हाल होगा। 2029 में देश की आधी आबादी तुम्हारे इस अहंकार को धूल में मिला देगी।

सदन में 298 सांसदों का समर्थन होने के बावजूद, तकनीकी बहुमत का सहारा लेकर बिल रोकना इनकी कायरता का प्रतीक है। विपक्ष जो ओबीसी कोटे का राग अलाप रहा है, वह सिर्फ और सिर्फ इस महान कानून को लटकाने की एक घटिया साजिश है। मैं पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधि होने के नाते पूछता हूँ—जब दशकों तक कांग्रेस सत्ता में थी, तब उन्हें पिछड़ों और महिलाओं की याद क्यों नहीं आई? आज जब प्रधानमंत्री मोदी अधिकार दे रहे हैं, तो ये लोग रोड़ा अटका रहे हैं।

हितग्राहियों को नहीं मिल रहा है लाभ : तिवारी

बेमेतरा। हितग्राहियों को लाभ नहीं मिलने की बात योगेश तिवारी ने कही इस संबंध में उन्होंने बताया कि ग्राम सभा की बैठक ग्राम परपोड़ा में रखी गई थी, जिसमें जनपद सदस्य नीरज राजपूत, सरपंच फतेलाल साहू, सचिव विनोद देशलहरा, उप सरपंच मालिकराम साहू और ग्राम सहायिका के गांव के लोग उपस्थित रहे, जिसमें लगभग ढाई हजार की आबादी में ग्राम सभा में उपस्थित लोगों की संख्या 100 से 150 के बीच रही, जबकि नियमों के अनुसार 25 प्रतिशत उपस्थित नहीं होने पर ग्राम सभा की बैठक का सचिव द्वारा अनुमोदन और प्रस्ताव पारित करना संभव नहीं, उपस्थित पूर्ण न होने पर ग्राम सभा निरस्त की जानी चाहिए, दूसरा बैठक के पूर्व ही ग्राम सभा में लोगों की उपस्थिति का कोटवार द्वारा हस्ताक्षर बिना एजेंडा और प्रतिवेदन के बताए करवाया गया है, ग्राम सभा की बैठक की मुनियादी शाम को 6 से 7 बजे तक एक दिन पूर्व करवाई गई, जिससे पूरे गांव वालों को सूचना नहीं मिलती और 200 से भी कम लोग की उपस्थिति में ग्राम सभा की बैठक अमान्य नहीं की गई, क्या इसी तरह ग्राम सभा की बैठक में कार्य होते हैं, जिसमें ग्राम सचिव को दो-तीन गांव का प्रभार है, ऐसी जानकारी स्वयं सचिव ने दी है, जिसमें की सचिव ने स्वयं कहा कि वह केवल बुधवार को गांव परपोड़ा में बैठते हैं, ऐसे में आम जनता को प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, शौचालय योजना, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय एवं अमृत पेयजल मिशन के तहत नल जल योजना, सड़क और स्वच्छता का लाभ किस प्रकार मिल पाएगा, ना ही लोगों का जॉब कार्ड बन रहा है ना ही लोगों को रोजगार मिल रहा है, गांव का विकास रुक सा गया है, जनप्रतिनिधि चुनाव होने तक बड़े-बड़े वादे करते हैं, चुनाव के बाद चुनाव जीत कर अपने वादों को भूल जाते हैं और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है, पता नहीं गांव का विकास कब होगा, ना ही ग्राम में ग्राम सभा ठीक से चल पा रही है, ना ही लोगों की उपस्थिति है, इससे यह जाहिर होता है कि जो भी कागजों में चल रहा है उसमें हितग्राहियों को लाभ नहीं मिल रहा, जिला प्रशासन के चक्कर लगाने के अलावा लोगों के पास कुछ भी नहीं बचा, जीते हुए प्रत्याशियों के पास ना कोई योजना है ना उसको कार्यान्वित करने का कोई तरीका इससे यह पता चलता है कि सब केवल मिठाई मलाई, पूर्ति में लगे हुए हैं।

यदि ऐसा नहीं है तो सभी योजनाओं की लाभार्थियों की सूची वापस मंगा कर जांच की जाए कि सही लोगों को अभी तक लाभ मिला है या नहीं जिसकी जांच क्षेत्रीय अधिकारियों से ना करवा कर बाहरी अधिकारियों से कराई जानी चाहिए जिससे दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

पत्रकारों को दिया जाये जानकारी

तिवारी ने कहा कि पत्रकारों को जिस भी विभाग की जानकारी चाहिए, सभी विभागों के अधिकारियों द्वारा उन्हें बिना आरटीआई लगाएं सही जानकारी प्रदान किया जाना चाहिए, कुछ अधिकारियों को पत्रकारों के साथ ऐसा कहता हुआ पाया गया कि आप आरटीआई लगाकर जानकारी ले, देश के चौथे स्तंभ को भी यदि आरटीआई लगाकर जानकारी लेना पड़े तो यह स्थिति अशोभनीय है, जिसके लिए पत्रकारों की तरफ से यह खेद का विषय है, क्या जनता तक सही जानकारी देना और जनता की समस्या शासन तक पहुंचाना इस कार्य को करने में भी यदि पत्रकारों को होने लगी दिक्कत तो इसके जिम्मेदार लोगों को यह सोचना भी जरूरी है कि देश की अस्मिता खतरे में है, जिसके लिए जिम्मेदार वही लोग हैं जो ऐसी स्थिति पैदा करने के लिए दोषी है।

सहयोग संस्था ने विभिन्न डिवाइडरों में लगे पौधे को संरक्षण का उठाया जिम्मा

बेमेतरा। जल जंगल जमीन के संरक्षण और स्वच्छता पर पिछले दो दशक के कार्य कर रही बेमेतरा कि बहु आयामी संस्था सहयोग ने नगर के घड़ी चौक से रतन छविगृह, प्रताप चौक, गुरुनानक भवन, माहेश्वरी भवन तक के डिवाइडरो मे लगे पौधे को संरक्षण का जिम्मा उठाया है। प्रसासन कि उदासीनता के चलते पानी सिंचाई के आभाव मे सुख कर ठूठ मे तब्दील हो रहे पौधे लोक निर्माण विभाग और नगर पालिका के बिच उलझे डिवाइडर विवाद कि जिम्मेवारी के विवाद के कारण पौधे मरने लगे है। पौधों के मरने का दूसरा कारण व्यापारी वर्ग है जो अपने दुकान का कचरा मलबा होटलो कि गर्म राख डिवाइडर मे डाल देते है। पौधों को नष्ट कर रही है पालिका के स्वछता कर्मचारियों द्वारा रोड़ सफाई पश्चात सड़क के मलमे को डिवाइडर मे डाल दिया जाता है जिससे डिवाइडर मे मिट्टी उपर होने से पानी देने पर पुरा पानी डिवाइडर से बह जाता है और पौधों को कोई फायदा नही पहुँचता। इन सारी अव्यवस्थाओ को देखते हुए सहयोग बेमेतरा नए इन डिवाइडर के पौधों को बचाने का बीड़ा उठाया है और आज प्रातः से अपने सदस्यों के साथ डिवाइडर कि अतिरिक्त मिट्टी मलबा कचरे आदि को निकलने का कार्य प्रारम्भ किया है डिवाइडर से निकाले गए मलमे को नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा जी ने अपनी टीम के साथ तत्काल उठवाकर सहयोग के आग्रह पर डिवाइडर मे पौधों मे पानी डलवाया विजय सिन्हा स्वयं भी आज सहयोग के साथ इस पौधा बचाओ अभियान मे शामिल हुए। सहयोग ने लोगो से आग्रह किया है कि डिवाइडरो मे कचरे कि जगह पानी डाले ताकि भीषण गर्मी मे पौधों को मरने से बचाया जा सके। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहाँ कि डीवायडरों का दुरूपयोग करने वालों को दण्डनीय अपराध कि श्रेणी मान कर कार्यवाही कि जाएगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम की बैठक में सीईओ गायब, अध्यक्ष भड़कीं : मेरा फोन नहीं उठाया, कलेक्टर के फोन पर दो घंटे बाद पहुंचे

बालोद। जिला पंचायत बालोद में आयोजित विशेष सामान्य सभा की बैठक उस समय चर्चा का विषय बन गई, जब निर्धारित समय पर शुरू हुई बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुनील चंद्रवंशी अनुपस्थित मिले। यह बैठक दोपहर 12 बजे नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी, जिसमें उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अधिनियम का स्वागत करते हुए सर्वसम्मति से समर्थन दिया। बैठक में सीईओ जिला पंचायत की गैरहाजिरी को लेकर सदस्यों ने नाराजगी जताई, वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी चन्द्राकर ने इसे गंभीर लापरवाही बताया। उन्होंने कहा कि बैठक का समय पहले से तय था, इसके बावजूद सीईओ समय पर नहीं पहुंचे।

कई बार फोन लगाया जवाब नहीं दिया

अध्यक्ष तारणी चन्द्राकर ने बताया कि बैठक शुरू होने के बाद सीईओ को कई बार फोन लगाया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। एक बार फोन उठाने पर उन्होंने कहा कि वे कलेक्टर के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) में व्यस्त हैं। अध्यक्ष ने कहा कि जब इस बात की जानकारी कलेक्टर को दी गई, तब कलेक्टर ने स्वयं सीईओ को फोन कर बैठक में उपस्थित होने कहा। इसके बाद करीब दोपहर 2 बजे सीईओ जिला पंचायत कार्यालय पहुंचे।

कलेक्टर के फोन पर पहुंचे, अध्यक्ष ने जताई नाराजगी

अध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों के फोन का जवाब नहीं दिया गया, लेकिन कलेक्टर के निर्देश के बाद वे तुरंत पहुंचे। इससे साफ है कि जिला पंचायत की बैठक को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष तोमन साहू, जिला पंचायत सदस्य कांति सोनेश्वरी, चंद्रिका गंजीर, प्रभा नायक, पुष्पी मानकर, तेजराम साहू, डौंडी जनपद अध्यक्ष मुकेश कौड़ो, बालोद जनपद अध्यक्ष सरस्वती टेमरिया एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

रजिस्टर में दर्ज हुई अनुपस्थिति

तारणी चन्द्राकर ने बताया कि बैठक की कार्यवाही रजिस्टर में सीईओ की अनुपस्थिति दर्ज की गई है। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया है कि अधिकारी निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित नहीं हुए। सीईओ के दो घंटे देरी से पहुंचने और अध्यक्ष की खुली नाराजगी के बाद यह मामला जिला पंचायत और प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि भविष्य में ऐसी बैठकों में अधिकारियों को समयपालन और जवाबदेही दिखानी चाहिए।

नही दी जाती कोई जानकारी

तारणी ने कहा कि जिला पंचायत सीईओ से कोई भी जानकारी मांगो तो उनके द्वारा नही दी जाती है, शासन की योजनाओं, निर्माण से सम्बंधी, डीएमएफ से सबंधी, कोई जानकारी नही दी जाती है, जबकि एक प्रतिलिपि अध्यक्ष को देना होता है। जिला पंचायत से सम्बंधित भी कोई जानकारी सीईओ के द्वारा नही दी जाती। मनरेगा के काम की भी जानकारी नही मिलती। वही अन्य सदस्यों से कार्यक्रमो में स्वागत नही किये जाने और उपेक्षा किये जाने का आरोप लगाया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com